राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 06 जून 2025
वर्ष 14, अंक 58, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

साइकिल सीख रही नाबालिक से 4 युवकों ने की छेड़छाड़....03

नगर पालिका की अनदेखी से आम रास्ता जाम जनता को हो रही परेशानी....04

अमेरिकी जमीन पर थरूर का बड़ा बयान: भारत खुद पाक से निपटेगा, किसी को सलाह देने की ज़रूरत नहीं

स्वतंत्र प्रभात

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत एवं पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष विराम में अपनी भूमिका को लेकर बार-बार किए जा रहे दावों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत, अमेरिकी राष्ट्रपति पद का सम्मान करता है लेकिन नयी दिल्ली ने "कभी नहीं चाहा कि वह किसी से मध्यस्थता करने के लिए कहे" और किसी को हमें यह बताने की जरूरत नहीं कि हमें "रुकना" है। सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के नेता थरूर मंगलवार दोपहर यहां पहुंचे और प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को अमेरिकी सांसदों एवं सरकारी अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। थरूर ने कहा, "मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम अमेरिका के राष्ट्रपति के पद और अमेरिकी राष्ट्रपति का बहुत सम्मान करते हैं। हम अपने लिए बस इतना ही कह सकते हैं कि हमने कभी किसी से मध्यस्थता करने के लिए नहीं कहना चाहा।" उन्होंने बुधवार को यहां 'नेशनल प्रेस क्लब' में कहा कि भारत को पाकिस्तानियों को उन्हीं की भाषा में जवाब देने में कोई दिक्कत नहीं थी। उन्होंने कहा, ''जब तक वे आतंकवाद की भाषा का इस्तेमाल करते रहेंगे, हम बल की भाषा का इस्तेमाल करेंगे। इसके लिए किसी तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं है।"

विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष थरूर इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सरफराज अहमद (झारखंड मुक्ति मोर्चा), जी. हरीश बालयोगी (तेलुगु देशम पार्टी), शशांक मणि त्रिपाठी (भारतीय जनता पार्टी), भुवनेश्वर कलिता (भारतीय जनता पार्टी), मिलिंद देवरा (शिवसेना), तेजस्वी सूर्या (भारतीय जनता पार्टी) और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत संधू शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल 24 मई को भारत से न्यूयॉर्क पहुंचा था और फिर यह गुयाना, पनामा, कोलंबिया एवं ब्राजील की यात्रा करके वॉशिंगटन आया। थरूर ने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को खत्म कर दे तो "हम उनसे बात कर सकते हैं।" उन्होंने कहा, "अगर वे यह दिखाने के लिए गंभीर कदम उठाते हैं कि वे हमारे साथ सामान्य संबंध बहाल करना चाहते हैं तो हम किसी मध्यस्थ की आवश्यकता के बिना उनसे निश्चित रूप से फिर से बात कर सकते हैं।" थरूर ने कहा, "जैसा कि मैंने कहा, इस संघर्ष के दौरान किसी भी स्थिति में भारत को इस बात की जरूरत नहीं थी कि कोई उसे रुकने के लिए कहे। किसी को भी हमें "रुकने" के लिए कहने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि हम उनसे कह रहे थे कि जैसे ही पाकिस्तान रुकेगा, हम रुकने के लिए तैयार हैं।"

उन्होंने कहा, "इसलिए यदि उन्होंने पाकिस्तानियों से कहा कि 'आप रुक जाइए क्योंकि भारतीय रुकने को तैयार हैं' और उन्होंने ऐसा ही किया तो यह पाकिस्तान को लेकर उनकी ओर से एक अच्छा कदम था।" उन्होंने कहा, ''हम बस इतना ही कह सकते हैं कि हमारी बातचीत में इनमें से कुछ बातें सामने नहीं आईं।" थरूर ने कहा कि वह यह बात "रचनात्मक भावना" से कह रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमारे मन में अमेरिका के लिए बहुत सम्मान है, और वाशिंगटन के साथ हमारी बहुत महत्वपूर्ण, मूल्यवान रणनीतिक साझेदारी है जिसे हम किसी छोटी सी बात के कारण जोखिम में नहीं डालना चाहेंगे। हम इस समय सहयोग के कई क्षेत्रों के बारे में बात कर रहे हैं, हम उन सभी को बढ़ाने में रुचि रखते हैं। इसलिए छोटी-छोटी बातें हो सकती हैं लेकिन हम कल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।"

छुट्टी के दिन काम के बहाने से बुलाया, फिर मदरसा संचालक ने महिला टीचर के साथ किया रेप

स्वतंत्र प्रभात

बरेली- उत्तर प्रदेश के बरेली से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक मदरसा संचालक ने महिला टीचर के साथ दरिंदगी की है। उसने छुट्टी के दिन महिला टीचर को किसी काम के बहाने बुला लिया, इसके बाद उसे नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस घटना के बाद पीड़िता का परिवार थाने पहुंचा और पुलिस को सारी घटना बता शिकायत दर्ज कराई। जानकारी के मुताबिक, यह मामला फतेहगंज थाना क्षेत्र के एक मदरसे का है। यहां पर काम करने वाली एक महिला टीचर के परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि टीचर के साथ मदरसा संचालक ने दुष्कर्म किया है। पीड़िता के परिवार के अनुसार, मदरसे के संचालक जुबैर ने शुक्रवार को छुट्टी के दिन महिला को काम के बहाने मदरसे बुलाया।वहां उसने महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया और फिर उसके साथ रेप किया। जुबैर की उम्र 26 साल है। परिजनों ने बताया कि जब महिला टीचर देर रात तक भी घर नहीं आई तो परेशान होकर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। वो मदरसे पहुंचे। वहां उन्होंने अपनी बेटी को बेहोशी की हालत में पाया। तुरंत उसे अस्पताल में भर्ती किया। जहां डॉक्टरों ने यौन शोषण की पुष्टि की। फिलहाल, उसकी हालत ठीक है। इसके बाद उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भी भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार) और 328 (जहर देकर नुकसान पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटना के बाद से आरोपी फरार हो गया, पुलिस उसकी तलाश में जुट गई और उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

अमेरिका में राष्ट्रपति साइन घोटाले पर संसद में घमासान!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्षमादान देने और अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा 'ऑटोपेन' का इस्तेमाल किए जाने की जांच करने का बुधवार को आदेश दिया। इसके अलावा अमेरिकी संसद के निचले सदन-प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने भी बाइडेन के करीबी सदस्यों से पूछताछ का अनुरोध किया है। 'ऑटोपेन' एक यांत्रिक उपकरण है जिसका उपयोग किसी व्यक्ति के प्रामाणिक हस्ताक्षर की नकल करने के लिए किया जाता है और अमेरिका के राष्ट्रपति दशकों से इसका इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन ट्रंप ने आरोप लगाया है कि बाइडेन की कुछ कार्रवाइयां अमान्य थीं एवं उनके सहयोगियों ने राष्ट्रपति के अधिकार का दुरुपयोग किया ताकि बाइडेन की "सोचने- समझने की शक्ति कमजोर" होने की बात को छिपाया जा सके। ट्रंप ने एक ज्ञापन में लिखा, "यह साजिश अमेरिकी इतिहास के सबसे खतरनाक और चिंताजनक घोटालों में से एक है।' उन्होंने कहा, "अमेरिकी जनता से जानबूझकर यह छिपाया गया कि कार्यकारी शक्ति किसके पास है और बाइडेन के हस्ताक्षर का इस्तेमाल हजारों दस्तावेजों पर किया गया ताकि बड़े नीतिगत बदलाव किए जा सकें।" ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी और अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के वकील डेविड वॉरिंगटन को इस जांच का जिम्मा सौंपा। इस बीच, अमेरिका की प्रतिनिधि सभा की मुख्य जांच समिति 'हाउस ओवरसाइट कमेटी' के अध्यक्ष एवं रिपब्लिकन नेता जेम्स कॉमर ने पूर्व राष्ट्रपति बाइडन के पांच सहयोगियों के साथ साक्षात्कार का अनुरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ये सहयोगी बाइडेन की स्वास्थ्य संबंधी स्थिति को छिपाने की कोशिश में शामिल थे जो "हमारे देश के इतिहास के सबसे बड़े घोटालों में से एक" है। कॉमर ने एक बयान में कहा, ''ये पांच पूर्व वरिष्ठ सलाहकार पूर्व राष्ट्रपति बाइडन की स्थिति और उनके कार्यकाल में 'व्हाइट हाउस' के भीतर चल रही गतिविधियों के प्रत्यक्षदर्शी थे। उन्हें 'हाउस ओवरसाइट कमेटी' के सामने पेश होना चाहिए और पूर्व राष्ट्रपति बाइडन की सोचने-समझने की शक्ति के बारे में सच्चाई से जवाब देना चाहिए तथा यह बताना चाहिए कि फैसले कौन ले रहा था।" 'व्हाइट हाउस' के वरिष्ठ सलाहकारों माइक डोनिलन और अनीता डन, 'व्हाइट हाउस' के पूर्व 'चीफ ऑफ स्टाफ' रॉन क्लेन, पूर्व 'डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ' ब्रूस रीड और राष्ट्रपति के पूर्व सलाहकार स्टीव रिचेट्टी से साक्षात्कार का अनुरोध किया गया है।

PM आवास में चल रहा होटल, पुलिस ने की छापेमारी तो खुला राज...कुछ कपल भी पकड़े

स्वतंत्र प्रभात

कुशीनगर- प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य गरीबों के लिए छत उपलब्ध कराना है लेकिन कुशीनगर में इस योजना के तहत बने आवास में होटल चल रहा है। जिला नगरीय विकास प्राधिकरण द्वारा पीएम आवास योजना शहरी के अंतर्गत इस घर का निर्माण हुआ है। पहले तो इस घर को बनने में तकरीबन 5 साल लग गए, दूसरा इस मकान को दो मंजिला बना कर इसमें होटल का व्यवसाय हो रहा है जो कि डूडा द्वारा कराए गए इस निर्माण कार्य का कच्चा चिट्ठा खोल रहा है। कुशीनगर नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 21 कृष्णा नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत संगीता के नाम से एक आवास का 29 जून 2021 को आवंटित हुआ। डूडा के माध्यम से पांच चरणों में होने वाले इस निर्माण कार्य का पहला चरण नॉट स्टार्टेड में 28 सितंबर 2021 को?50000 के पहले भुगतान के साथ शुरू हुआ। दूसरे चरण फाउंडेशन का फोटो 23 नवम्बर 2021 को अपलोड हुआ और डेढ़ लाख रुपए का दूसरा भुगतान किया गया। तीसरे चरण लिंटर्ड का फोटो ढ़ाई साल बाद 18 जुलाई 2024 को अपलोड हुआ। वहीं, चौथे चरण रूफ का फोटो 20 जुलाई 2024 और 5वें चरण कंप्लीट का फोटो 23 जुलाई 2024 को लिया गया। इस प्रकार देखा जा सकता है कि शेष तीनों चरण लिंटर्ड, रूफ और कंप्लीट 5 दिनों के भीतर ही पूरा हुए। सिर्फ इतना ही नहीं यह आवास ऐसे परिवार को आवंटित हुआ है जो इस पर दो मंजिला होटल सूर्या पैलेस का व्यवसाय कर रहा था। इसका खुलासा तब हुआ जब इस होटल में गोरख धंधा की होने की शिकायत पर पुलिस ने छापा डाला। इस छापेमारी में कुछ कपल्स गिरफ्तार हुए थे। इस पूरे प्रकरण ने जिला नगरीय विकास अभिकरण के पारदर्शिता को सामने ला दिया है। इस पर जब जिलाधिकारी से बात की गई तो डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि इसमें जो भी दोषी होंगे उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। सवाल यह है कि जनपद में नगर क्षेत्र में ही तमाम ऐसे परिवार मिलेंगे जिन्हें प्रधानमंत्री आवास की अत्यंत आवश्यकता होगी, लेकिन कहीं ना कहीं उन्हें दरकिनार कर ऐसे पात्र व्यक्ति को पीएम आवास का लाभ दिया गया जो कि इसका दुरुपयोग करते नजर आ रहा है। अब देखना है कि जांच के बाद विभागीय अधिकारियों पर क्या कार्यवाही होती है।

संक्षिप्त ख़बरें

भूमाफियाओं ने प्रशासन की रोक के बावजूद भी जोत दी चभाल समिति की जमीन

लखीमपुर खीरी। जिले में भू माफियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें किसी सरकारी आदेश की भी परवाह नहीं है न ही उन्हें बाबा के बुलडोजर का ही भय है। ज्ञात हो चभाल कृषि समिति की जमीन पर एक लंबे अरसे तक चली जांच में प्रशासन ने यह पाया कि तहसील सदर के चभाल कृषि समिति बसैगापुर की जमीन का बैनामा फर्जी तरीके से भूमाफिया प्रकाश चन्द पुत्र रोशन लाल निवासी लखीमपुर ने अपने परिवार के नाम अठावन एकड़ का फर्जी बैनामा करा लिया है। शेष जमीन डेरा बाबा का अवैध कब्जा बताया गया है। प्रशासन ने पूरे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए इस जमीन पर किसी भी प्रकार की खेती बाड़ी पर करने के लिए नोटिस जारी करके रोक लगा दी है। परंतु भू माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि प्रशासन की इस रोक के बावजूद भी उस भूमि को माफियाओं द्वारा जोत दिया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर विवाहिता की मौत

विंध्याचल। थाना क्षेत्र के बिरौरा गाँव में मंगलवार को दोपहर में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर विवाहिता झूल गई। शव कब्जे में लेकर पुलिस ने मोर्चरी हाउस भेज दिया। बिरौरा गाँव की हरिजन बस्ती मे ब्याही आरती देवी 22 वर्ष पत्नी कोमल का शव उसके कमरे में साड़ी के फंदे से लटक रहा था। प्रयागराज जिले के मेजा थाना क्षेत्र के परानीपुर गाँव से यहाँ पहुंचे विवाहिता के भाई अमित कुमार ने बताया कि 2019 में बहन की बिरौरा गाँव में शादी हुई थी। बहन के शरीर पर कई जगह चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। शव उतारकर जमीन पर रखा हुआ था। विवाहिता बेटी तीन वर्ष की अनन्या तथा 14 माह के बेटे राज की माता थी। पति दिल्ली में नौकरी करता है। एक माह पहले वह घर आया हुआ था। दस दिन पहले घर से दिल्ली के लिए निकल लिया था। थाना प्रभारी अमित प्रजापति ने बताया कि शव कब्जे में लेकर मोर्चरी हाउस भेज दिया गया। तहरीर मिलने पर मामला दर्ज कर कार्यवाई की जाएगी। अभी तहरीर नहीं मिली है।

बेकाबू बाइक हुआ हादसा हैंडपंप का हत्था गर्दन को चीरते हुआ आर-पार

● युवक की हुई मौत एक की हालत गंभीर 100 की स्पीड में बाइक हुई स्लिप

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर में हैंडपंप का हत्था एक युवक की गर्दन में घुसकर आर-पार निकल गया इससे युवक की मौत हो गई जबकि बाइक चला रहा उसका भाई छिटककर 10 फीट दूर जा गिरा बाइक 15 फीट दूर खाई में जा गिरी वह गंभीर रूप से घायल हो गया प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मरने वाला युवक बाइक के पीछे बैठा था मोड़ पर बाइक की स्पीड 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड में थी तभी बेकाबू हो गई पीछे बैठा युवक बाइक से उछलकर सीधे हैंडपंप के हत्थे से टकराया हादसे के बाद हैंडपंप और आस-पास की जमीन खून से लाल हो गई थी मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी पुलिस ने दोनों युवकों को अस्पताल पहुंचाया जहां एक युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित किया घायल युवक का इलाज जारी है हादसा पिसावा थाना क्षेत्र में भकुरहा-गोपामऊ मार्ग पर पुलिस चौकी के पास हुआ जिसने भी हादसे का मंजर देखा वह सिहर उठा गांव भरकुहा निवासी अरुण (20) पुत्र विद्याराम अपने ताऊ तौलेराम के बेटे पवन के साथ बाइक से जा रहा था पवन बाइक चला रहा था जबकि अरुण पीछे बैठा था बाइक की स्पीड करीब 50 किलोमीटर प्रति घंटे थी भकुरहा पुल और पुलिस चौकी के पास मोड़ है मोड़ पर पवन ने बाइक की स्पीड कम नहीं की थी तेज गति होने के कारण बाइक स्लिप होकर सामने लगे हैंडपंप से टकरा गई अरुण सीधे हैंडपंप के हत्थे से टकरा गया हत्था अरुण की गर्दन को चीरते हुए आर-पार हो गया वहीं, पवन छिटककर 10 मीटर दूर गिरा हादसा होते ही मौके पर भीड़ लग गई लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची अरुण वहीं तड़पता रहा जब तक पुलिस मौके पर पहुंची अरुण की मौत हो चुकी थी पवन को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया यहां उसकी हालत गंभीर है पुलिस ने अरुण के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है अरुण के

पिता विद्याराम किसान हैं उन्होंने बताया, बेटा अपने चचेरे भाई पवन के साथ बाइक से बरमभौंला गांव से गोपामऊ की ओर जा रहा था इसी दौरान रास्ते में हादसा हो गया अरुण 4 भाइयों और 3 बहनों में तीसरे नंबर का था भाइयों में सबसे बड़े प्रमोद (24), पुरुषोत्तम (21), अरुण (20) और सबसे छोटा रिंकू (11) है भाइयों में किसी की शादी नहीं हुई है बहनों में रीता की शादी हो चुकी है वहीं, रेखा (16) और रुचि (8) पढ़ाई कर रही हैं भतीजे पवन के माता-पिता का निधन हो चुका है वह हमारे ही साथ रहता है हम लोग ही उसकी देखभाल करते हैं प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, बाइक तेज रफ्तार में थी मोड़ पर अचानक बेकाबू होकर सीधे नल से जा टकराई बाइक सवारों के मुंह से शराब की दुर्गंध आ रही थी आशंका है कि हादसा शराब पीने की वजह से हुआ होगा जिस जगह हादसा हुआ वहां सड़क पर अचानक मोड़ है बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे नल से टकरा गई जिससे यह दुर्घटना हुई शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी मृतक के पिता की तहरीर पर मामला दर्ज किया गया है!!

हिसार जिले में संदिग्ध परिस्थितियों में भट्ठा श्रमिक की मौत, परिजन जता रहे हत्या की आशंका

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली।सतांव- गुरुबक्शगंज थाना क्षेत्र के मिश्रखेड़ा मजरे गौरी सतांव गाँव निवासी रामजीवन ने गुरुबक्शगंज थानें में तहरीर देकर बताया कि उनका भतीजा सुशील कुमार(20)पुत्र श्यामलाल विगत् छः माह पूर्व गाँव के ही भट्ठा मिस्त्री रामस्वरूप पुत्र भोलई के साथ हिसार जिले के एक ईट भट्ठे पर मजदूरी करने गया था। विगत् 4 मई को परिवार के एक सादी समारोह में शामिल होने सुशील गाँव आया और 6 मई को वापस हिसार के ईट भट्ठे पर चला गया। 26 मई को भट्ठा मिस्त्री रामस्वरूप ने अपनी पत्नी को सुशील के घर भेजा कि वह गाँव वापस तो नहीं आया। इसके बाद 2 जून को हिसार के ईट भट्ठे से 10 बीघे दूर एक 20 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला। जब शव की पहचान कराई गई तो वह सुशील का ही था।

भट्ठा मिस्त्री रामस्वरूप के अलावां गाँव के ही कल्लू पुत्र सुखराम और उसकी पत्नी नीसा भी वहीं भट्ठे पर काम कर रही थी। मृतक सुशील के पिता श्यामलाल ने मीडियाकर्मियों को दिये बयान में आरोप लगाया कि रामस्वरूप,कल्लू और नीसा ने ही उसके बेटे सुशील की हत्या करके उसके शव को जलाकर नाले में फेंक दिया और लोगों को जानकारी होने के बाद शव को नाले से बाहर निकाला। बुधवार को जब सुशील का शव गाँव पहुँचा तो कोहराम मच गया।मृतक के परिजनों ने पुलिस से विधिक कार्यवाही की माँग की है।

नरेगा में ग्राम प्रधान के परिवार व उनके सहयोगियों के खाते में कराया गया है भुगतान

● ग्राम पंचायत में कायाकल्प के नाम पर निकाला गया है लाखों रुपए नहीं है जमीन पर काम

सचिव को ग्राम पंचायत में हुए घोटाले का नहीं है कोई जानकारी सचिव ने झाड़ा अपना पल्ला।

स्वतंत्र प्रभात

हलिया, मिर्जापुर। बुधवार हलिया विकासखंड के ग्राम पंचायत देवहट मे मनरेगा के काम में जमकर किया गया है घोटाला ग्रामीणों ने बताया कि अपने ही परिवार व अपने ही सहयोगियों के खाते में कराया गया है नरेगा का भुगतान जहां सरकार शक्ति से नरेगा का जांच करके मौके का फोटो उपलब्ध कराने की बात कर रही है वही जनप्रतिनिधि व उनके सचिव के द्वारा सरकार की व्यवस्था को ताख पर रखते हुए अपने ही लोगों के खाते में भुगतान करा लिया जाता है पिछले बीती वर्ष में जमकर कराया गया है नरेगा से भुगतान वही ग्राम पंचायत में कायाकल्प के नाम से तमाम कार्य दिखाकर लाखों रुपए का भुगतान कर लिया गया है और जमीन पर नहीं है एक भी कार्य पंचायत भवन जर्जर अवस्था में पड़ा हुआ है उसका भी दिखाया गया है कायाकल्प जो कि कई पंचवर्षीय से दूसरों के कब्जे में है। पंचायत भवन मजदूर नहीं बल्कि ग्राम प्रधान के सहयोगी ले रहे हैं नरेगा मजदूरी का पैसा मजदूरों को यह भी नहीं पता है कि किसके खाते में जा रहा है मजदूरी का पैसा ऐसे में ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग करना चाहते हैं कि ग्राम पंचायत देवहट में हो रहे चौमुखी विकास को एक बार देखे और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें विकास के लिए तरस रहा ग्राम पंचायत देवहट जबकि तमाम योजना देवहट में आया और गमन हो गया। इस संबंध में सचिव सौरव यादव से बात किया गया सौरभ यादव ने ग्राम पंचायत में हुए घोटाले में कुछ बोलना ठिक नहीं समझा।

जर्जर नलकूप की बिल्डिंग बनी खतरा, अधिकारी बेखबर.....

● नलकूप संख्या 59 कभी भी हो सकता है धराशायी, नलकूप संख्या 85 की मोटर महीनों से जली पड़ी।

स्वतंत्र प्रभात

निगोहा। मोहनलालगंज विकासखंड के रामपुर गढ़ी गांव में स्थित राजकीय नलकूप संख्या 59 की बिल्डिंग खस्ताहाल हो चुकी है। नलकूप की दीवारें तिरछी होकर झुक गई हैं और कभी भी धराशायी हो सकती हैं, जिससे आस-पास रहने वाले लोगों और किसानों को खतरा बना हुआ है।

ग्रामीणों के अनुसार, इस नलकूप की तीन बार मरम्मत हो चुकी है, लेकिन मजबूती से काम नहीं कराया गया। पिछले चार महीने से विभागीय अधिकारियों को जानकारी दी जा रही है, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।ग्रामीण रामकुमार ने बताया कि पहले भी रामपुर गांव में एक नलकूप की बिल्डिंग गिर चुकी है, लेकिन विभाग ने कोई सबक नहीं लिया। अब यह बिल्डिंग भी उसी रास्ते पर है।वहीं दूसरी तरफ, हरिहरपुर पटसा गांव में नलकूप संख्या 85 की मोटर और स्टार्टर महीनों से जली पड़ी है, जिससे सैकड़ों बीघा खेतों की सिंचाई रुक गई है। किसान परेशान हैं और विभाग से बार-बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।इन दोनों नलकूपों के खराब होने से इलाके के कई गांवों के किसान चिंता में हैं। गर्मी के इस मौसम में जहां खेती के लिए पानी सबसे जरूरी होता है, वहीं सरकारी नलकूपों की ऐसी हालत ने किसानों की नींद उड़ा दी है।गांव वालों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर जल्द मरम्मत नहीं कराई गई, तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से मांग की है कि जर्जर नलकूप भवन की जल्द मरम्मत कराई जाए और बंद पड़े नलकूप को तत्काल चालू किया जाए।

नाली को लेकर दो पक्षों में मारपीट, मामला दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के हरीपुर गांव में नाली खोदने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई की है। गांव निवासी रमेश बहादुर सिंह ने बताया कि पानी निकास के लिए गांव में नाली निर्माण चल रहा था। एडीओ पंचायत निर्माण कार्य का निरीक्षण करने आए थे। एडीओ पंचायत के जाने के बाद गाँव के ही अमर बहादुर, दल बहादुर, विवेक, गौरव, प्रखर सहित 20 व्यक्ति अज्ञात गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। आरोपियों ने जान से मार डालने की धमकी दी।

वहीं दूसरे पक्ष से दल बहादुर सिंह ने प्रार्थना पत्र देकर रमेश बहादुर, जयदीप, राजू व विकास पर उसकी भूमिधरी जमीन पर नाली निकालने का आरोप लगाया। बताया कि एतराज करने पर आरोपियों ने मारपीट की। पुलिस के पहुंचने पर जान बची। पुलिस के मौजूदगी में ईंट पत्थर चला दिए। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले दोनों पक्षों से मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई।

धरती या डस्टबिन?- क्या यही हमारी सभ्यता की अंतिम तस्वीर है?

[प्रकृति लौटाती है, जो हम देंगे वही पाएँगे; हमारी आदतें ही बना रही हैं विनाश का नक़्शा]

धरती अब चुप नहीं, वह चीत्कार कर रही है–नदियाँ कचरे के ढेर में दम तोड़ रही हैं, जंगल आग की लपटों में राख बन रहे हैं, और हवाएँ ज़हर बनकर हमारे फेफड़ों को जकड़ रही हैं। आसमान, जो कभी सपनों का नीला कैनवास था, आज धुंध की चादर में लिपटा है, जैसे थककर मौन हो गया हो। यह वही धरती है, जो कभी हमारी माँ थी, हमारा पालना थी। आज वह घायल है, और हम–उसके सबसे प्रिय सृजन–उसके सबसे बड़े विध्वंसक बन चुके हैं। विश्व पर्यावरण दिवस अब केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक आखिरी चेतावनी है–जागो, संभलो, वरना सब कुछ मिट जाएगा। इस वर्ष 2025 का थीम "विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" हमें याद दिलाता है कि हमारी लापरवाही ने धरती को कचरे का ढेर बना दिया है। यह समय है कि हम न केवल सुनें, बल्कि उस पुकार पर कदम उठाएँ। हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर हम कुछ पौधे लगाते हैं, नारे लगाते हैं, और सोशल मीडिया पर हरे-भरे संदेश साझा करते हैं। लेकिन अगले ही दिन, वही प्लास्टिक की बोतलें सड़कों पर बिखरी मिलती हैं, वही पानी की बर्बादी शुरू हो जाती है, और वही बिजली का अनावश्यक उपयोग फिर से चालू हो जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार, हर साल 400 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक वैश्विक स्तर पर उत्पादित होता है, जिसमें से आधा एकल-उपयोग प्लास्टिक है। इसकी 36त्न से भी कम रीसाइक्लिंग होती है, और 8 मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक हर साल समुद्रों में पहुँचता है, जो समुद्री जीवन को तबाह कर रहा है। क्या यह हमारी प्रगति का प्रतीक है? प्रश्न यह नहीं कि हमने क्या किया, प्रश्न यह है कि हमने कब महसूस किया कि हमारी धरती प्लास्टिक के बोझ तले दब रही है?

प्लास्टिक प्रदूषण अब केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं, यह मानवता के लिए एक संकट है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक 2023 की स्टडी के अनुसार, माइक्रोप्लास्टिक्स अब हमारे खाने, पानी, और यहाँ तक कि हवा में भी मौजूद हैं, जो कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। समुद्र में तैरता प्लास्टिक कचरा मछलियों और समुद्री जीवों को निगल रहा है, और यह कचरा हमारी खाद्य श्रृंखला में शामिल होकर हमारे शरीर तक पहुँच रहा है। यूएनईपी की एक और रिपोर्ट बताती है कि यदि यही स्थिति रही, तो 2050 तक समुद्रों में मछलियों से ज्यादा प्लास्टिक होगा। यह आँकड़ा हमें झकझोरता है–क्या हम अपनी अगली पीढ़ी को एक ऐसी धरती सौंपना चाहते हैं, जहाँ समुद्र कचरे का गड्ढा बन जाए? पर्यावरण की रक्षा केवल सरकारों या बड़े संगठनों का दायित्व नहीं। यह हमारी और आपकी जिम्मेदारी है। हर साँस जो हम लेते हैं, वह पेड़ों का उपहार है। हर बूँद जो हम पीते हैं, वह प्रकृति की अमृतधारा है। लेकिन जब यही पानी माइक्रोप्लास्टिक से दूषित हो, जब यही हवा प्रदूषण से भारी हो, तो हमारी साँसें भी खतरे में पड़ जाती हैं। विश्व बैंक की 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2.2 बिलियन लोग अभी भी सुरक्षित पेयजल से वंचित हैं, और प्लास्टिक प्रदूषण इस संकट को और गहरा रहा है। इस वर्ष का थीम ÷विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत÷ हमें एक स्पष्ट संदेश देता है–प्लास्टिक का उपयोग कम करें, रीसाइक्लिंग को बढ़ावा दें, और टिकाऊ विकल्प अपनाएँ।

आज जब ग्लोबल वार्मिंग और जैव विविधता का ह्रास हमें घेर रहा है, तब सबसे जरूरी है अपनी सोच को बदलना। विकास का अर्थ केवल ऊँची इमारतें या चमचमाती कारें नहीं। असली विकास वह है, जिसमें धरती और मनुष्य दोनों का सम्मान हो। हमें तकनीक के साथ करुणा को जोड़ना होगा। उदाहरण के लिए, बायोडिग्रेडेबल सामग्री और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाना न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी है, बल्कि यह हमारी जीवनशैली को टिकाऊ बनाता है।

अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) के 2024 के आँकड़ों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी 30त्न तक पहुँची है। लेकिन प्लास्टिक संकट को हल करने के लिए हमें और तेजी से कदम उठाने होंगे। छोटे-छोटे कदम बड़े बदलाव ला सकते हैं। एक कपड़े की थैली का उपयोग, प्लास्टिक स्ट्रॉ को न कहना, घर पर रीसाइक्लिंग बिन रखना, बारिश का पानी संग्रह करना–ये छोटी बातें नहीं, क्रांति के बीज हैं। यदि भारत के 140 करोड़ लोग हर साल एक पेड़ लगाएँ और एक प्लास्टिक बोतल कम करें, तो हम 140 करोड़ पेड़ों का जंगल बना सकते हैं और लाखों टन प्लास्टिक कचरे को कम कर सकते हैं। नेशनल जियोग्राफिक की एक स्टडी के अनुसार, एक वयस्क पेड़ हर साल 48 पाउंड कार्बन डाइऑक्साइड सोख सकता है। सोचिए, कितना बड़ा बदलाव संभव है!

पर्यावरण केवल पेड़-पौधों या समुद्री जीवों का सवाल नहीं। यह हमारी साँसों, हमारे भोजन, और हमारे बच्चों के भविष्य का सवाल है। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 1970 से 2020 तक वैश्विक वन्यजीव आबादी में 68त्न की कमी आई है। बाघ, कछुए, और व्हेल जैसी प्रजातियाँ विलुप्त होने की कगार पर हैं। क्या हम अपने बच्चों को केवल चिड़ियाघरों में इन जीवों की तस्वीरें दिखाएँगे? प्लास्टिक प्रदूषण इन प्रजातियों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। इस वर्ष का थीम हमें यही चुनौती देता है–प्लास्टिक के इस जाल को तोड़ें, ताकि हमारी धरती फिर से साँस ले सके। प्रकृति हमें सजा नहीं देती, वह केवल लौटाती है। हमने उसे प्लास्टिक का कचरा दिया, उसने हमें दूषित समुद्र और जहरीली हवा लौटाई। हमने उसे आग दी, उसने हमें तूफान और सूखा दिया। लेकिन अगर हम उसे प्रेम, सम्मान, और देखभाल देंगे, तो वह हमें स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी, और हरी-भरी धरती लौटाएगी। इस विश्व पर्यावरण दिवस पर, "विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" के संकल्प के साथ, हमें एक वचन देना होगा–हम धरती से रिश्ता निभाएँगे, न कि तोड़ेंगे। यह केवल धरती को बचाने का यज्ञ नहीं, यह हमारी मानवता को बचाने का यज्ञ है। अपने घर से, अपने दिल से, अपने संकल्प से शुरुआत करें। एक बीज नहीं, एक उम्मीद बोएँ; एक प्लास्टिक बोतल नहीं, उसका ज़हर कम करें; एक बूँद नहीं, जीवन की धारा बचाएँ। ये छोटे-छोटे कदम महज़ कदम नहीं, वे उस क्रांति की नींव हैं, जो धरती को फिर से हरा-भरा बनाएगी। वे कदम हैं, जो नदियों को गीतों में बदल देंगे, समुद्रों को जीवन की लहरों से भर देंगे, और हवाओं को प्रेम की सौगंध से महका देंगे। अब वक्त आ गया है–लौट पड़ें प्रकृति की उस गोद में, जो हमारा पहला आलिंगन थी, हमारा आखिरी ठिकाना है। इस विश्व पर्यावरण दिवस को केवल एक तारीख न रहने दें; इसे एक नई सुबह बनाएँ–एक ऐसी सुबह, जो प्लास्टिक के कफन से मुक्त धरती का स्वप्न साकार करे। नारे अब बेकार हैं, अब तो कदमों की गूँज चाहिए। धरती की चीत्कार अब अनसुनी नहीं रह सकती–यह हमारी आखिरी पुकार है। इसे सुनें, इसे जिएं, और इसे जीत लें।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

देश के भविष्य नन्हे बच्चों का कुपोषण संवेदन शून्यता

ऐसे में मनुष्य के चांद पर जाने का क्या फायदा जब भूखा नन्हा बच्चा गोल चांद को पृथ्वी से निहार कर गोलाकार रोटी समझ खाने के लिए ललचा जाता हो और माँ से कहता है माँ क्यों न हम रोटियों के पेड़ लगाएं और रोटी तोड़ें आम तोड़ें खाएं। पूरा विश्व आज नन्हे बच्चों के कुपोषण का शिकार है। वैश्विक स्तर पर बच्चों के कुपोषण अल्प पोषण स्तिथि चिंतनीय हो चुकी है। भारत मे सबसे ज्यादा महाराष्ट्र,बिहार, गुजरात और मध्यप्रदेश में बच्चों के कुपोषण का प्रतिशत है और ये राज्य देश के विकसित प्रदेशों में माने जाते हैं। बच्चे देश के भविष्य होते हैद्य यदि देश का भविष्य ही कुपोषित रहेगा, कमजोर रहेगा तो सशक्त राष्ट्र की कल्पना करना बेमानी होगाद्य भारत में बच्चों के भुखमरी तथा कुपोषण एक बड़े अभिशाप की तरह सामने आ रहे हैं यह देश की एक प्रमुख समस्या भी है देश में कुपोषण से बच्चे यानी आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिकों की हालत बहुत ज्यादा चिंताजनक है सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 33 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार है और इनमें 50% बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित होकर बीमारी को झेल रहे हैं देश में भले ही जोर शोर से बाल दिवस हर साल मनाया जाता है और उसी पर करोड़ों खर्च कर दिया जाता हैद्य देश में एक महिला तथा बाल विकास मंत्रालय अलग खोल के रखा गया है, पर बच्चों के कुपोषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका हैद्य ऐसी क्या वजह है की नौनिहालों के पोषण के लिए केंद्र या राज्य सरकार के पास इतने संसाधन होने के बावजूद धन मुहैया नहीं हो पाता हैद्य मलेरिया, टीबी और ना जाने अन्य कितनी बीमारियों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अरबों रुपए खर्च कर दिए हैं, पर जो भारत की मुख्य रीढ़ की हड्डी है यानी कि आने वाले कल के नागरिक वर्तमान के बच्चे यदि कुपोषित हैं तो यह अत्यंत चिंतनीय, सोचनीय तथा विचारणीय पहलू हैद्य सरकारी एजेंसियों द्वारा एक आर,टी,आई के जवाब में बताया गया कि 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों संकलित आंकड़ों के मुताबिक 34 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए हैं इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्यप्रदेश है विगत वर्षों में करोना संक्रमण के कारण भी बच्चे कुपोषित हुए हैं और आने वाले कल के दिन में भी और बच्चों के कुपोषण कथा मृत्यु की आशंका बढ़ गई है सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 22 लाख बच्चे बहुत ज्यादा कुपोषित है एवं शेष 18 लाख बच्चे अल्प कुपोषित हैं जब अरबों रुपए अन्य बीमारियों के संक्रमण में लगाए जा सकते हैं तो एक अभियान के तहत बच्चों के कुपोषण को दूर करने के लिए भी मैराथन प्रयास किए जाने चाहिए जिससे बच्चे तो कम से कम कुपोषित ना हो वैसे भारत कुपोषण के मामले में वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश तथा पाकिस्तान से भी पीछे है उसका नंबर 101वां है, ऐसे हालात में महिला तथा बाल विकास को महिलाओं तथा बच्चों के लिए ही एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें कुपोषित होने से बचाना होगाद्य पोषण ट्रैकर के हवाले से बताया गया कि सिर्फ महाराष्ट्र में ही कुपोषित बच्चों की संख्या छह लाख दर्ज की गई है जिनमें 1,57 लाख बच्चे अल्प कुपोषित तथा 4,58 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। दूसरे नंबर पर बिहार प्रदेश आता है जहां 5लाख कुपोषित बच्चे और तीसरे नंबर पर गुजरात प्रदेश होता है जहां 3:30 लाख बच्चे कुपोषित हैंद्य महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्य प्रदेश बहुत सक्षम और देश के बड़े राज्य हैं, यहां पर स्वास्थ्य विभाग पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, फिर ऐसी क्या वजह है कि बच्चों के कुपोषण की दर इतनी ज्यादा तथा चिंताजनक हो गई है कुपोषित बच्चे भी बड़े होते हैं तो वह कई बीमारियों को लेकर धीरे-धीरे बढ़ते हैं और इससे उनकी लंबाई तथा स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है देश के 34त्न कुपोषित बच्चों का कद औसत कद से बहुत कम हो जाता हैद्य 21त्न बच्चे जो कुपोषण के कारण यदि वह बच भी जाते हैं तो उनका वजन अत्यंत कम हो जाता है।

ऐसे कम लंबाई तथा कम वजन के बेचारे बच्चे देश का क्या भविष्य बना पाएंगे या देश में अपना योगदान क्या दे पाएंगे। इसीलिए भारत सरकार राज्य सरकारों को कम से कम बच्चों की तरफ तो ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगीद्य वैश्विक भूख सूचकांक(ग्लोबल हंगर इंडेक्स) के आंकड़ों के हिसाब से 2021 में भारत 116 देशों में 101 वें स्थान पर पहुंच गया है इस मामले में हम अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से काफी पीछे हैद्य इस मामले में भारत 2020 में ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार 94 वें स्थान में था, और आज की स्थिति में 101 वे स्थान में पहुंच गया है। इसका सीधा सीधा मतलब है कि हर वर्ष कुपोषण से शिकार बच्चों की संख्या बेतहाशा बढ़ रही है। कुपोषण के मामले में भारत की राजधानी दिल्ली भी पीछे नहीं है दिल्ली प्रदेश की स्थिति भी चिंताजनक है अधिकारी और मंत्री भले बड़े-बड़े दावे करने में पीछे नहीं हटते हैं पर बच्चों की स्थिति चिंताजनक है, दिल्ली में ही 2 00लाख बच्चे कुपोषित हैं, आंध्र प्रदेश में 2,70लाख बच्चे कुपोषित हैं, कर्नाटक में 2,5 लाख बच्चे उत्तर प्रदेश में 19लाख बच्चे,तमिलनाडु में 1,80लाख ,असम में 1,80लाख और तेलंगाना में 1,60 लाख बच्चे कुपोषण की स्थिति में जी रहे हैं। इस देश में जहां अरबों रुपए सरकार के 40 से ज्यादा विभागों में सालाना खर्च किए जा रहे हैं, तो यह स्वास्थ्य विभाग में विशेष तौर पर बच्चों के लिए खर्च करने रिसर्च करने और उन पर विशेष ध्यान देने में कोताही क्यों बरती जा रही है।

यह तथ्य न सिर्फ चिंतनीय है बल्कि स्वास्थ विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी महिला तथा बालकों के विकास के लिए विशेष अभियान चलाकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा हेतु निर्देशित किया है। वैश्विक आंकड़े भी यही बताते हैं कि बच्चों को जो कि किसी भी देश का भविष्य होते हैं कुपोषण से हर तरह से सुरक्षित किया जाना सुनिश्चित करना होगा, अन्यथा ये कुपोषित बच्चे ही आगे चलकर देश के नागरिक नागरिक बनेंगे। ऐसे में आप स्थिति की कल्पना कर सकते हैं देश की विशाल जनसंख्या को देखते हुए बच्चों के कुपोषण की दर जरूर कम है, लेकिन हर साल इनके कुपोषण की दर की वृद्धि चिंताजनक परिणाम देने वाली ना हो इस पर हम सबको ध्यान देना होगा।

संजीव ठाकुर

गंगा दशहरा और मां गायत्री अवतरण दिवस- आध्यात्मिकता और विज्ञान का संगम

5 जून का दिन भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में दो अत्यंत पावन पर्वों का संगम लेकर आ रही है - गंगा दशहरा और मां गायत्री अवतरण दिवस। संयोगवश, यह दिन विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जो इन दोनों पर्वों के गहरे वैज्ञानिक और पर्यावरणीय महत्व को और भी प्रासंगिक बनाता है।

गंगा दशहरा-धार्मिक महत्व- गंगा दशहरा को गंगा नदी के धरती पर अवतरण की स्मृति में मनाया जाता है। ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को गंगाजी हिमालय से पृथ्वी पर अवतरित हुईं। कहा जाता है कि राजा भगीरथ के तप से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने गंगाजी को अपनी जटाओं में धारण किया और फिर नियंत्रित गति से पृथ्वी पर प्रवाहित किया, जिससे सगरपुत्रों का उद्धार हुआ।

वैज्ञानिक पक्ष-गंगा केवल धार्मिक नदी नहीं, बल्कि जैव विविधता और मानव जीवन की रक्षक भी है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि गंगाजल में पाई जाने वाली बैक्टीरियोफेज नामक वायरस हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करने की क्षमता रखते हैं। इसके अतिरिक्त, गंगाजल वर्षों तक खराब नहीं होता - यह उसमें विद्यमान हाइड्रोजन पेरॉक्साइड और प्राकृतिक खनिजों की उपस्थिति के कारण है।

पर्यावरणीय दृष्टि- गंगा दशहरा केवल पूजा का पर्व नहीं, जल संरक्षण, स्वच्छता और नदियों के प्रति श्रद्धा और उत्तरदायित्व का प्रतीक भी है। आज जब नदियाँ प्रदूषण से कराह रही हैं, यह पर्व हमें जल और प्रकृति की शुद्धता की ओर लौटने की प्रेरणा देता है।

गायत्री अवतरण दिवस- धार्मिक महत्त्व- गायत्री मंत्र को वेदों की जननी कहा गया है - "गायत्री छन्दसाम् माता"। यह दिवस विशेष रूप से पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा 1926 में पुनः सार्वजनिक जीवन में गायत्री उपासना की स्थापना के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने इस मंत्र के माध्यम से आत्मिक शुद्धि, मानसिक संतुलन और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक पक्ष- गायत्री मंत्र का उच्चारण ध्यानपूर्वक करने से मस्तिष्क में अल्फा वेव्स उत्पन्न होती हैं, जिससे मानसिक तनाव कम होता है और ध्यान की गहराई बढ़ती है। इसके उच्चारण की ध्वनि तरंगें थायरॉइड ग्रंथि, मस्तिष्क और हृदय पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। यह एक प्रकार की साउंड हीलिंग तकनीक है जिसे आधुनिक न्यूरो-साइंस भी

मान्यता देने लगा है।

समाज सुधार का माध्यम

गायत्री उपासना केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक जागरण का साधन रही है। प्रज्ञा आंदोलन के माध्यम से स्वच्छता, नशा मुक्ति, स्त्री सम्मान, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों को गायत्री चेतना से जोड़ा गया है।

सांस्कृतिक संगम और समकालीन सन्दर्भ- गंगा दशहरा और गायत्री अवतरण दिवस, दोनों ही भारत की आध्यात्मिक धरोहर के प्रतीक हैं। एक जल की शुद्धता और बाह्य जीवन को पवित्र करने वाली शक्ति है, तो दूसरी विचारों की शुद्धता और आंतरिक जीवन को निर्मल करने वाली चेतना। जब आज पूरा विश्व पर्यावरण दिवस मना रहा है, तब भारत की यह सनातन परंपरा बताती है कि जल, वायु, पृथ्वी, अग्नि और आकाश की पूजा केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि गहन वैज्ञानिक और पर्यावरणीय समझ का प्रतिफल है। **निष्कर्ष-** 5 जून 2025 को मनाए जाने वाले गंगा दशहरा और गायत्री अवतरण दिवस केवल धार्मिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की उस महान परंपरा के जीवंत प्रतीक हैं, जो पर्यावरण, विज्ञान, और अध्यात्म को एक सूत्र में पिरोकर मानव कल्याण की दिशा में चलती है। ऐसे पर्वों को केवल आस्था से नहीं, वैज्ञानिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ मनाना ही आज की आवश्यकता है।

डॉ मनमोहन प्रकाश

फिर बोतल से बाहर आ रहा है कोरोना का जिन्न

दुनिया के अन्य देशों के साथ भारत में भी कोरोना के मामलों में काफी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है,कोविड-19 संक्रमण एक बार फिर से तेजी के साथ पैर पसार रहा है। देश में कोरोना के मामले 4 हजार के करीब पहुंच गए हैं। यानी किसी भी वक्त कोविड-19 के मामले 4 हजार के आंकड़े को पार कर सकते हैं। इस वक्त सबसे ज्यादा कोविड संक्रमित मरीज केरल (1435) में हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र (506) और तीसरे नंबर पर दिल्ली (483) हैकोविड संक्रमण के कारण मौत के आंकड़ों की बात करें तो अब तक 32 कोविड मरीजों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे के अंदर 4 लोगों ने संक्रमण के कारण दम तोड़ा है। मरने वालों में एक मरीज दिल्ली, एक केरल, एक महाराष्ट्र और एक तमिलनाडु का है। तेजी से बढ़ते संक्रमण और संक्रमित मरीजों के मौत के मामले ने सभी को डरा दिया है। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पिछले 24 घंटे के अंदर एक कोविड पॉजिटिव केस मिला है, जिसके बाद कोविड संक्रमितों की तुलना अब 63 हो गई है, जिसमें महिला 31 और पुरुष 32 हैं।

कोविड के केस लगातार बढ़ना थोड़ी चिंता की बात जरूर है। कारण है कि काफी तेजी से मामले बढ़ रहे हैं, उंगलियों पर गिने जाने वाले आंकड़े हफ्ते भर में ही हजारों में पहुंच गए। मरने वालों की संख्या में भी वृद्धि देखी जा रही है। कोरोना में यह बढ़ोत्तरी ऐसे समय में देखने को मिल रही है, जब दुनिया मानकर चल रही थी कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा-हमेशा के लिये चला गया है। पिछले कुछ वर्षों से जनजीवन फिर पटरी पर लौट रहा था। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जद्दोजहद कर रही थी, लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश में कोविड के मामले बढ़कर 4000 के पास पहुंच चुके हैं। सबसे अधिक 1435 मामले केरल में मिले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 506 और दिल्ली में 483 एक्टिव मामले हैं। शुक्रवार से शनिवार के बीच कोविड के 685 नए केस सामने आए है आए हैं। वहीं इससे 4 मौतें हुई हैं, जिसमें दिल्ली , कर्नाटक, उत्तर प्रदेश में एक-एक मौत हुई है। अब तक कोरोना से 32 मौतें हो चुकी हैं। इससे पहले 30 मई को सुबह 8 बजे तक सिर्फ 7 मौतों का आंकड़ा सामने आया था। ऐसे में बीते दो दिनों में देश के अंदर 21 लोगों की मौत दर्ज की गई। 31 मई को बेंगलुरु में 63 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसे दोनों वैक्सीन के साथ बूस्टर डोज भी लगी थी। वहीं दिल्ली में 60 साल के बुजुर्ग

की मौत हुई है। महाराष्ट्र-केरल में सबसे ज्यादा 7-7 लोगों ने जान गंवाई है। कर्नाटक सरकार ने पब्लिक एडवाइजरी जारी की। इसमें लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता का खास ध्यान रखने की अपील की। बुखार, खांसी, सीने में दर्द या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत जांच कराने को कहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में एनबी. 1.8.1 और एलएफ. 7 वेरिएंट्स के कारण मामलों में वृद्धि हो रही है। दरअसल एनएफ.1.8.1 और एलएफ. 7 ओमिक्रॉन के जेएन. 1 वेरिएंट और इसमें हुए म्यूटेशन से उत्पन्न सब-वैरिएंट्स हैं। वैज्ञानिकों ने इसे बेहद सक्रामक बताया है। इतना ही नहीं एनबी. 1.8.1 से होने वाले खतरों को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे वैरिएंट ऑफ मॉनिटरिंग के रूप में क्लासीफाई किया है। इसे अब तक वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट के रूप में रखा गया था। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के मुताबिक एनवी. 1.8.1 रिकॉम्बिनेंट वैरिएंट एक्सडीवी. 1.5.1 से निकला है। इसका सबसे पहला सैंपल 22 जनवरी साल 2025 को इकट्ठा किया गया था। इस वेरिएंट में कुछ एसेम्यूटेशन देखे गए हैं, जो इम्यूनिटी को भी चकमा दे सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इन नए वेरिएंट्स से संक्रमित लोगों में सामान्यतः बुखार, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द और थकान जैसे हल्के लक्षण देखे जा रहे हैं। हालांकि ये वेरिएंट प्रतिरक्षा प्रणाली को चकमा दे सकते हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है कि ये गंभीर या लंबी बीमारी का कारण बनते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इन वेरिएंट्स को चिंताजनक श्रेणी में शामिल नहीं किया है। विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन स्थिति पर निरंतर निगरानी आवश्यक है। उन्होंने जनता से भी अपील की है कि वे घबराएं नहीं बल्कि सतर्क रहें। सरकार सक्रिय रूप से हालात पर नजर बनाए हुए है और यदि कोरोना मामलों में वृद्धि होती है, तो सतर्कता बढ़ाने और आवश्यक तैयारियां करने पर जोर दिया जाएगा। अगर देखा जाए तो दुनिया मानकर चल रही थी कि कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा-हमेशा के लिये चला गया है। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जद्दोजहद कर रही थी, लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। सप्ताह भर में ही बढ़े संक्रमण के मामलों में जो उछाल आया है, वो चिंताजनक है। चीन से भी छन छन कर जो निकल रहा है उससे इतना तो पता चल गया कि वहां भी बीते एक महीने में कोरोना के मामलों में काफी तेजी आई है, लेकिन दुनिया को कोरोना देकर भी छुपाने और तबाही की कगार पर पहुंचाने के बाद चीन से जितने सच सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा। इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वो ज्यादा हैं जो या तो कोमर्बिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं, जिसके कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोर्बिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। लेकिन प्रभावित हर आयु वर्ग के लोग हो रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वालों बुजुर्गों, कोमोर्बिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है। कोरोना के बढ़ते हुए मामले को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरीके से सतर्कता के साथ हर परिस्थिति पर नजर रख रहा है। हां, देश भर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि सतर्क रहें, सतर्क करें। ऑक्सीजन और वैक्सीन के इंतजाम पर्याप्त रखे जाएं। ईश्वर करे कि वो स्थिति न आए, जिसे हमने देखा और भोगा है। लेकिन पुराने कड़े अनुभव, काली यादें और कोरोना के कुछ साल का दौर कितना भयावह था, याद कर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। हालांकि ऐसी स्थिति आने की संभावना नहीं है, लेकिन इसके बावजूद अब समय आ गया है कि हमलोग सभी सतर्क हो जाए। कोरोना से कैसे लड़ना है, यह बताने की जरूरत है। सबको पता है कि कोरोना से कैसे निपटना है, इसलिए जरूरत है कि सभी सतर्क हो जाए और उन एहतियात का पालन करने, जो कोरोना के समय करते थे, ताकि इसको बढ़ने से पहले ही रोका जा सकें। कोरोना के लिए सरकार निपटने की तैयारियों में जुट गयी है नागरिकों को भी सुरक्षा उपायों को अमल करना चाहिए।

मनोज कुमार अग्रवाल

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

मेष–आज किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

वृष–आज व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है।

मिथुन–आज परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें।

कर्क–आज नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। उत्साह से काम कर पाएंगे। किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

सिंह–आज कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें।

कन्या–आज अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें।

तुला–आज तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा। थकान महसूस होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक–आज कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। नए संपर्क बन सकते हैं। धनार्जन होगा।

धनु–आज किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें।

मकर–आज किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है।

कुंभ–आज यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मीन– आज दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है। भाइयों का साथ मिलेगा।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

विराम खण्ड-5 जनकल्याण समिति चतुर्थ द्वारा बड़े मंगल पर विशाल भंडारा का आयोजन हआ

लखनऊ राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर जनकल्याण समिति की विराम खण्ड-5, उपसमिति, लखनऊ ने चतुर्थ बड़े मंगल को हनुमान मंदिर, वसंती पार्क, जीवन प्लाजा आदि जगहों पर भंडारा का आयोजन किया। इस अवसर पर लोगों में आपसी भाईचारे और बजरंगबली में आस्था को दर्शाया गया और गरीब तबके के लोगों को प्रसाद के रूप में अच्छा खाना उपलब्ध कराया गया। यह आयोजन भारतीय परम्परा का एक जीता-जागता उदाहरण है। इसके अलावा, विराम खण्ड-5 के विजय कुमार चोपड़ा की पूज्य एवं वंदनीय माताजी पुष्पा चोपड़ा को उनके 100वें जन्मदिन, 3 जून 2025 पर बधाई दी गई और इस शुभ अवसर पर उनका हृदय से शतायु आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ। यह महत्वपूर्ण जन्मदिन उनकी स्थायी भावना और विरासत का प्रमाण है। इसी दिन विजय कुमार श्रीवास्तव के घर पर सुन्दर पाठ के साथ भंडारे का भी आयोजन किया गया। यहाँ यह भी बताना आवश्यक है कि समिति की पिछली बैठक जो 27 अप्रैल 2025 को रवी अग्रवाल के घर पर आयोजित हुई थी, जिसमें अध्यक्ष डॉ0 भरत राज सिंह, सचिव अरुण त्रिवेदी, डॉ0 आर0पी0 शर्मा, इंजी0 विजय चोपड़ा, रवी अग्रवाल आदि के साथ पार्षद अरुण तिवारी भी उपस्थित हुए थे और विराम-5 की मुख्य समस्याओं जैसे जीवन प्लाजा में पार्किंग न होने से तथा राम भुवन के सम्मुख ठेलों के अतिक्रमण आदि से सड़क पर आने-जाने में अवरोध उत्पन्न होता था। समिति पार्षद को उनके तात्कालिक कार्यवाही के लिए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करती है।

सड़क दुर्घटना नगर पालिका कर्मचारी की मौत

बिसवां सीतापुर बिसवां में एक सड़क दुर्घटना में नगर पालिका में कार्यरत बैरियर मैन रीता शुक्ला की मौत हो गई। रीता अपने पति श्याम शुक्ला के साथ बाइक पर ड्यूटी से घर लौट रही थीं। इसी दौरान पीछे से आ रही रोडवेज बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में रीता को गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलते ही बिसवां नगर पालिका अध्यक्ष और अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे। कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दुर्घटना से परिवार में शोक की लहर है।

आज आएगा "डी.एल. वर्मा छात्रवृत्ति योजना" का परीक्षा परिणाम

सीतापुर (टिकरा बिसवां) शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणास्पद पहल के रूप में "बृजमोहन लाल वर्मा मेमोरियल (डी.एल. वर्मा) छात्रवृत्ति योजना" का परिणाम आज 5 जून को घोषित किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर, लेकिन मेधावी छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन एवं आर्थिक सहायता प्रदान करना है। यह परीक्षा हाल ही में नंदकिशोर कैलाशचंद महाविद्यालय में सफलता पूर्वक संपन्न हुई थी, जिसमें कुल 300 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। परीक्षा समन्वयक श्री राहुल वर्मा ने जानकारी दी कि चयनित छात्र-छात्राओं को योजना के अंतर्गत ग्रेजुएशन स्तर की पढ़ाई हेतु आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों के छात्रों के लिए आशा की किरण बनकर सामने आई है। उल्लेखनीय है कि इस योजना की शुरुआत वर्ष 2024 में लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट डीन (सीडीसी) एवं शिक्षाविद् डॉ. सुधाकर वर्मा द्वारा की गई थी। डॉ. वर्मा ने इस योजना के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने का बीड़ा उठाया है। इस छात्रवृत्ति योजना ने न केवल प्रतिभा को मंच देने का कार्य किया है, बल्कि छात्रों के आत्मविश्वास को भी नई उड़ान दी है।

साइकिल सीख रही नाबालिक से 4 युवकों ने की छेड़छाड़

स्वतंत्र प्रभात

मलिहाबाद। मलिहाबाद थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 12 वर्षीय नाबालिग बालिका के साथ चार युवकों ने छेड़छाड़ की घटना कर डाली। इस घटना ने न केवल क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि पुलिस की भूमिका को भी कठघरे में लाकर खड़ा कर दिया है। जानकारी के अनुसार पीड़िता अपने घर के पास साइकिल चलाना सीख रही थी, तभी मोहल्ले के ही चार युवक एहसान, सूफियान, शालिम और शावेज़ ने उसके साथ छेड़छाड़ कर दी। जब बालिका ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इस पूरी घटना से डरी-सहमी बच्ची ने अपने परिजनों को जानकारी दी, जिसके बाद परिजन उसे लेकर मलिहाबाद थाने पहुंचे और तहरीर दी। उत्तर प्रदेश सरकार महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बनाए गए एंटी रोमियो स्क्वायड का उद्देश्य था कि महिलाएं और बच्चियां खुद को सुरक्षित महसूस करें। लेकिन इस घटना ने इन दावों की हवा निकाल दी है। दिनदहाड़े एक नाबालिग के साथ छेड़छाड़ और धमकी जैसी गंभीर वारदात से इलाके में दहशत का माहौल है। अब देखने वाली बात यह होगी कि पुलिस प्रशासन पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए काम करता है या फिर आरोपियों को बचाने में जुट जाता है।

पुलिस की संदिग्ध भूमिका, दरोगा पर गंभीर आरोप

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मलिहाबाद थाने में तैनात दरोगा गौरी शंकर पर गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि दरोगा गौरी शंकर आरोपियों से मिले हुए हैं और वह पैसे के लालच में पीड़ित परिवार पर सुलह-समझौते का दबाव बना रहे हैं। परिजन बताते हैं कि दरोगा लगातार फोन कर या बुलाकर कह रहे हैं कि मामले को रफा-दफा कर लो, अन्यथा इसका अंजाम भुगतना पड़ सकता है। इससे साफ है कि पुलिस की आड़ में दबंगों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं।

अहम सवाल जो प्रशासन को कटघरे में खड़ा करते हैं

- जब नाबालिग बच्ची ने लिखित शिकायत दी, तो अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं हुई?
- क्या पुलिसकर्मी ही अब आरोपी पक्ष के एजेंट बन गए हैं?
- क्या योगी सरकार का एंटी रोमियो स्क्वायड सिर्फ पोस्टर तक सीमित है?
- दरोगा गौरी शंकर पर लगे दबाव के आरोपों की जांच कौन करेगा?
- क्या महिला सुरक्षा केवल चुनावी जुमला बनकर रह गई है?

पाठकगंज गांव में मुर्गे की दुकान बनी ग्रामीणों के लिए सिरदर्द, मंदिर के पास फैलाई जा रही गंदगी और दुर्गंध

● धार्मिक भावनाएं हो रही आहत, स्वास्थ्य संकट गहराया, ग्रामीणों ने दुकान हटाने की मांग की

स्वतंत्र प्रभात

मलिहाबाद। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पाठकगंज गांव में एक मुर्गे की दुकान ने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। गांव के लोग लंबे समय से इस दुकान से उत्पन्न गंभीर दुर्गंध, गंदगी और सामाजिक असुविधा का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कसमंडी कला निवासी वसीक अहमद नामक व्यक्ति मंदिर से चंद कदमों की दूरी पर मुर्गे की दुकान चला रहा है। इससे मंदिर में पूजा-पाठ करने वाले श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। गांव के शाकाहारी परिवारों में इस बात को लेकर गहरा असंतोष है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दुकान से फैलने वाली बदबू के चलते आसपास के घरों में रहना मुश्किल हो गया है। मुर्गे की कटाई से उत्पन्न खून और अवशेषों के कारण मक्खियों, कुत्तों और अन्य जानवरों का जमावड़ा लग जाता है, जिससे संक्रमण और बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पुलिस और स्थानीय प्रशासन इस गंभीर समस्या का तुरंत संज्ञान लें और उक्त दुकान को गांव से हटवाकर स्वच्छता और धार्मिक मर्यादा को बहाल करें। गांव के निवासियों का कहना है कि यदि प्रशासन जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाता है, तो वे प्रदर्शन और जनसुनवाई का रास्ता अपनाएंगे। उनका कहना है कि यह सिर्फ दुर्गंध या असुविधा की बात नहीं, बल्कि धार्मिक भावनाओं, स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है। अब देखना यह है कि क्या थाना मलिहाबाद और जिला प्रशासन इस मामले में उचित कार्यवाही करेगा, या फिर ग्रामीणों की भावनाओं और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ जारी रहेगा।

अब सवाल ये उठते हैं

- क्या मंदिर के आसपास या फिर गांव के बीच इस प्रकार की मांस की दुकान को अनुमति देना उचित है?
- क्या स्वच्छ भारत अभियान का नारा केवल पोस्टरों तक सीमित है?
- क्या मलिहाबाद पुलिस ग्रामीणों की आवाज को गंभीरता से लेगी या फिर मूकदर्शक बनी रहेगी?
- क्यों अब तक दुकान के खिलाफ कोई निरीक्षण या नोटिस जारी नहीं किया गया है?

विकसित भारत का अमृत कल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 वर्ष

● केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर बीजेपी जिला कार्यकारणी ने आयोजित की कार्यशाला

पीएम मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार का लिया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी जिला लखनऊ की कार्यशाला बुधवार को विंध्यवासिनी गेस्ट हाउस सर्वोदय नगर में संपन्न हुई। बीजेपी की जिला कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह उपस्थित रहे, कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विजय मौर्य के द्वारा की गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन बूथ स्तर तक इतना मजबूत एवं सक्रिय है कि प्रधानमंत्री मोदी की बात को जन-जन तक पहुंचने में सक्षम है। बीजेपी करोड़ों कार्यकर्ताओं के त्याग एवं तपस्या के बल पर, विचारधारा के आधार पर चलने वाली पार्टी है सत्ता के लिए भारतीय जनता पार्टी ने कभी विचारधारा से समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि आजादी के जब 75 वर्ष पूरे हुए तब प्रधानमंत्री मोदी ने इस कालखंड को अमृत काल का नाम देकर देश के स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान देने वाले सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं क्रांतिवीरों को याद करने एवं सबको सम्मान देने का काम किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश घोटालों एवं आतंकवादी घटनाओं से जूझ रहा था उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक देश में 165 आतंकवादी घटनाएं हुई जिसमें सैकड़ो की संख्या में देशवासी मारे गए वही प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में जो भी आतंकवादी घटनाएं हुई उनका सेना के द्वारा मुंहतोड़ जवाब देते हुए सर्जिकल स्ट्राइक एवं ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवाद को जड़ से मिटाने का काम किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों के शासनकाल में विकसित भारत का अमृत कल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के साथ- साथ धार्मिक आस्था को भी मजबूत करने का काम किया गया है। श्री सिंह ने कहा कि जिले में सभी मंडलों पर विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया जाएगा। वही सभी शक्ति केंद्र पर चौपाल लगाकर 70 वर्ष से अधिक वृद्ध जनों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा, जिनके कार्ड पहले बन गए हैं उनका वितरण किया जाएगा। कार्यशाला में उपस्थित लखनऊ जिले के पदाधिकारी मोर्चो के पदाधिकारी मंडल के अध्यक्ष और शक्ति केंद्र संयोजकों से आग्रह किया कि केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचने के लिए सबको मिलकर कार्य करना है इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व प्रदेश मंत्री वीरेंद्र तिवारी, पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री दिनेश तिवारी, क्षेत्रीय महामंत्री विजय प्रताप सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष चंद्रा रावत, पूर्व जिला अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रमुख मोहनलालगंज ओमप्रकाश शुक्ला समेत पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फिर से शुरू हुआ प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र सस्ती कीमत पर मिलेगी दवाई

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज कस्बे के स्थानीय नागरिकों के लिए एक राहत भरी खबर है मोहनलालगंज कस्बे में स्थित प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र को एक बार फिर से आमजन के लिए खोल दिया गया है। कुछ समय से यह केंद्र बंद था, जिससे लोगों को सस्ती दवाइयों के लिए परेशान होना पड़ रहा था। लेकिन अब इस केंद्र के पुनः शुभारंभ से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का उद्देश्य आम जनता को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयाँ उपलब्ध कराना है। यह केंद्र देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना "प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना" का हिस्सा है। इस योजना के तहत उपलब्ध जेनेरिक दवाइयाँ ब्रांडेड दवाइयों की तुलना में 50 से 90 प्रतिशत तक सस्ती होती हैं, और इनकी गुणवत्ता भी मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाती है।

केंद्र के पुनः संचालन के मौके पर एक स्थानीय अधिकारी ने बताया, "हमने इस केंद्र को फिर से खोलने का निर्णय इसलिए लिया ताकि मोहनलालगंज और इसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग सस्ती और भरोसेमंद दवाइयों तक पहुंच बना सकें। यह केंद्र अब पहले की तरह नियमित रूप से संचालित किया जाएगा।जन औषधि केंद्र के माध्यम से अब बीपी, शुगर, दर्दनाशक, एंटीबायोटिक, त्वचा संबंधी रोगों और अन्य सामान्य बीमारियों की दवाइयाँ रियायती दरों पर उपलब्ध होंगी। इसके अलावा केंद्र पर चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा भी मौजूद रहेगी।स्थानीय निवासियों ने भी केंद्र के पुनः खुलने पर खुशी जताई है। एक बुजुर्ग नागरिक ने बताया, ÷हमारे लिए यह बहुत फायदेमंद है। बाजार में दवाइयाँ बहुत महंगी हैं, लेकिन यहाँ पर वही दवाइयाँ आधी कीमत में मिल जाती हैं।इस पहल से न केवल आम जनता को आर्थिक रूप से राहत मिलेगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार आने की उम्मीद है। क्षेत्र के लोग अब उम्मीद कर रहे हैं कि यह केंद्र लगातार और प्रभावी रूप से संचालित होता रहेगा।

तेज बारिश तूफान और ओलावृष्टि से भारी तबाही

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। निगोहा क्षेत्र में बुधवार की दोपहर अचानक आए तेज बारिश, तेज ओलावृष्टि और तूफान ने लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को अस्त-व्यस्त कर दिया। कई इलाकों में भारी नुकसान की खबरें सामने आ रही हैं। तेज हवाओं और ओलों के साथ हुई बारिश ने जहां ग्रामीणों के आशियानों को नुकसान पहुंचाया, वहीं बिजली व्यवस्था भी पूरी तरह ठप हो गई।तेज तूफान की चपेट में आकर कई घरों की टीन की छतें उड़ गईं। ग्रामीणों के अनुसार, बुधवार की दोपहर आए इस तूफान ने लोगों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। कई स्थानों पर पेड़ गिरने से रास्ते भी अवरुद्ध हो गए हैं। आम और जामुन के बड़े-बड़े पेड़ तेज हवाओं के कारण धराशाई हो गए, जिससे किसानों को भी नुकसान उठना पड़ा है।

नंदौली गांव में विद्यालय की बाउंड्री वॉल गिरी.....

निगोहा क्षेत्र के नंदौली गांव में भीषण बारिश और तेज तूफान ने सरकारी संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया। गांव के प्राथमिक विद्यालय की बाउंड्री वॉल तेज हवाओं और पानी के दबाव में गिर गई। ग्रामीणों का कहना है कि अगर यह हादसा स्कूल खुले हुआ होता, तो बच्चों की जान को खतरा हो सकता था।

बिजली आपूर्ति ठप, ग्रामीणों में रोष.....

तूफान के चलते क्षेत्र की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। कई गांवों में बिजली के खंभे गिर गए हैं और तार टूटने के कारण आपूर्ति पूरी तरह बाधित है। लोग मोबाइल चार्ज न होने, पेयजल आपूर्ति में रुकावट और गर्मी के कारण बेहद परेशान हैं।ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन से शीघ्र सर्वेक्षण कराकर नुकसान की भरपाई की मांग की है। वहीं, विद्युत विभाग की टीमों को भी जल्द से जल्द व्यवस्था बहाल करने के लिए भेजा जाए, यह मांग ग्रामीणों की ओर से की जा रही है।

ज़िला कारागार में बुजुर्ग ने फाँसी लगा कर दी जान मचा हड़कंप

● बेटे के कत्ल के इल्ज़ाम में जेल में था बंद

परिजनों ने जेल प्रशासन पर लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर जिला कारागार में बंद एक 53 वर्षीय बुजुर्ग बंदी द्वारा जेल के हाता में फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से हड़कंप मच गया है मृतक की पहचान रामदास निवासी ग्राम रसूलाबाद, थाना सदरपुर के रूप में हुई है। रामदास 16 मार्च 2024 से अपनी पत्नी विमला (50 वर्ष) के साथ अपने ही बेटे की हत्या के मामले में जेल में बंद था जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 7 बजे रामदास ने जेल के हाता के अंदर लुंगी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जेलकर्मियों को जब घटना का पता चला तब तक रामदास की मौत हो चुकी थी। जेल प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार सदर अतुल सेन सिंह जिला कारागार पहुंचे और पंचनामा की कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा इस आत्महत्या की खबर से जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। बताया जा रहा है कि रामदास अपने बेटे की हत्या के मामले में मानसिक रूप से काफी विचलित था हालांकि जेल प्रशासन द्वारा उसकी मानसिक स्थिति को लेकर कोई विशेष निगरानी नहीं की जा रही थी इस घटना के बाद जिला कारागार की सुरक्षा, बंदियों की मानसिक स्थिति की निगरानी और प्रशासनिक सतर्कता को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं जेल प्रशासन ने मामले की आंतरिक जांच शुरू कर दी है जबकि उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी गई है यह घटना न सिर्फ जेल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है बल्कि बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन की अनदेखी को भी उजागर करती है!!

सरायन नदी को साफ़ करने का अभियान नालों की वैकल्पिक निकासी और अतिक्रमण हटाने का निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर सीतापुर में सरायन नदी के पुनरुद्धार का काम शुरू हुआ जिलाधिकारी अभिषेक आनंद के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद ने कैंची पुल के पास नदी की यांत्रिक सफाई आरंभ की जिलाधिकारी ने नदी को नगर की सांस्कृतिक और पारिस्थितिकीय धरोहर बताया उन्होंने अधिशासी अधिकारी वैभव त्रिपाठी को नदी से ठोस अपशिष्ट और प्लास्टिक कचरा हटाने के निर्देश दिए नगर क्षेत्र में पौधरोपण की योजना भी बनाई गई। नदी में गिरने वाले नालों की समस्या के समाधान के लिए अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह को जल निगम से समन्वय कर वैकल्पिक निकासी की योजना बनाने को कहा गया प्रभागीय वनाधिकारी नवीन खंडेलवाल को नदी तटों पर सुरक्षात्मक फेंसिंग और पौधरोपण के निर्देश दिए गए उपजिलाधिकारी सदर अभिनव कुमार यादव को अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई

डीएम ने कहा कि यह अभियान सिर्फ सफाई तक सीमित नहीं है। यह सरायन नदी के पुनर्जीवन का दीर्घकालिक प्रयास है इसमें जनसहभागिता और पर्यावरण संतुलन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल, नगर पालिका प्रतिनिधि मुनीन्द्र अवस्थी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे!!

ट्रैफिक जाम पर मोहनलालगंज पुलिस की सख्ती

● ...थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में चला अतिक्रमण विरोधी अभियान.....

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज कस्बे में लगातार बढ़ते ट्रैफिक जाम और सड़क पर हो रहे अतिक्रमण को देखते हुए मोहनलालगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस फोर्स ने मंगलवार को कस्बे में सघन अभियान चलाया, जिससे व्यापारियों और राहगीरों में हड़कंप मच गया।हाइवे और मुख्य बाजार क्षेत्र में बाइक और चारपहिया वाहनों द्वारा सड़क पर कब्जा जमाने से हर रोज जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सख्ती से अतिक्रमण हटवाया और दुकानदारों व पटरी व्यापारियों को कड़ी चेतावनी दी। सड़क पर कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने दो टूक शब्दों में कहा। उन्होंने आगे बताया कि यदि कोई पुनः अतिक्रमण करता पाया गया, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।कस्बे में कई ठेला व फड़ हटाए गए दुकानों के बाहर रखे सामान हटवाए गए वही कई गाड़ियों की पुलिस ने चालान भी किए स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने इस कदम का स्वागत किया है। उनका कहना है कि यदि प्रशासन इसी तरह मुस्तैदी दिखाता रहा, तो आने वाले दिनों में जाम की समस्या से राहत मिलेगी। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमित रूप से निगरानी की जाएगी।

दहेज़ हत्या में दोषी पति को सजा पत्नी की हत्या के मामले में 7 साल की क़ैद, लगा 7 हज़ार का जुर्माना

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर में दहेज हत्या के मामले में न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है अपर सत्र एवं न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-7 के न्यायाधीश तरन्नुम खान ने दोषी पति अमनजीत को सात साल के कारावास की सजा सुनाई है साथ ही उस पर 7 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है यह मामला 25 नवंबर 2021 का है अमनजीत पर अपनी पत्नी रवनीत कौर की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप था मृतका के परिजनों के अनुसार, आरोपी ने शादी के बाद 10 लाख रुपये की अतिरिक्त दहेज की मांग की मांग पूरी न होने पर उसने रवनीत के साथ मारपीट की जिससे उसकी मौत हो गई पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए चार्जशीट दाखिल की अभियोजन पक्ष ने अदालत में पर्याप्त साक्ष्य और गवाह प्रस्तुत किए इन्हीं के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार दिया न्यायालय ने कहा कि दहेज के लिए किसी महिला की जान लेना कानून का उल्लंघन और समाज के लिए कलंक है न्यायालय का मानना है कि इस फैसले से समाज में दहेज प्रथा के खिलाफ कड़ा संदेश जाएगा!!

कार्यालय ग्राम पंचायत देवहट विकासखंड हलिया जनपद मिर्जापुर

निविदा /टेण्डर

ग्राम पंचायत देवहट मे जर्जर पंचायत भवन का नीलामी होना है। नीलामी के इच्छुक व्यक्ति अपने आधार कार्ड के साथ निविदा में भाग ले सकते हैं। देवहट पंचायत भवन के ध्वस्थिकरण की निविदा दिनांक- 9.06.2025 को दिन में 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है । निविदा उसी दिनांक 9.06.2025 को 4:00 बजे खोली जाएगी। निविदा बंद लिफाफे में कार्यालय देवहट में प्राप्त की जाएगी। अधिक बोली वाली निविदा स्वीकार की जाएगी।

कौशलेन्द्र कुमार
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत देवहट विकास खण्ड
हलिया मिर्जापुर

सौरभ यादव
ग्राम सचिव
ग्राम पंचायत देवहट विकास खण्ड
हलियामिर्जापुर

संक्षिप्त खबरें

विद्यालय के मेधावी छात्र- छात्राओं को विधायक ने किया सम्मानित

विद्यालय के बरामदा का हुआ भूमि पूजन व शिलान्यास

सिद्धार्थनगर। जिले के बढ़नी ब्लाक के तुलसियापुर चौराहे पर स्थित पं.बाबूराम शुक्ल विद्या मंदिर इंटर कालेज में बुधवार को मेधावी छात्र-छात्राओं को क्षेत्रीय विधायक विनय वर्मा ने सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने विधायक निधि से बनने वाले बरामदा कार्य का भूमि-पूजन व शिलान्यास भी किया।इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए वह हमेशा प्रयासरत रहते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क समेत सभी बुनियादी सुविधाओं के लिए वह मेहनत करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय के विकास के लिए जितना भी प्रयास होगा मैं करुंगा। विद्यालय में अभी 17 लाख 50 हजार रुपए की लागत से विधायक निधि से बरामदा निर्माण कार्य होना है। पचपेड़वा ब्लाक प्रमुख मनोज कुमार तिवारी ने कहा कि शोहरतगढ़ विधायक हमेशा ईमानदारी से क्षेत्र की जनता की भलाई के लिए अधिकारियों से लड़ते रहते हैं। इस दौरान प्रबंधक अनुपम शुक्ल, प्रधानाचार्य रवि शुक्ल, प्रदीप कमलापुरी, रामदास मौर्य, मयंक शुक्ल, अजय वरुण, विनय शुक्ल, विजय पाठक, जगदंबा चौबे, आशाराम, धन्नजय पाठक आदि मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग ने छापेमारी कर 5 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

सिद्धार्थनगर। ईद -उल - जुहा पर्व के दृष्टिगत आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाने हेतु आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ एवं जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में बुधवार को तहसील डुमरियागंज के अंतर्गत हल्लौर बाजार में सहायक आयुक्त खाद्य, सिद्धार्थनगर आर.एल. यादव, तहसीलदार, डुमरियागंज एवं पुलिस बल की उपस्थिति में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा छापा मारकर मानक के अनुरूप न होने के संदेह पर कुल 05 नमूना क्रमशः काजू, किशमिश, मिश्री, पोस्ता दाना तथा मसूर दाल संग्रहित किया गया। नमूनों को जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी । कारोबार कर्ताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने एवं प्रतिष्ठान की साफ- सफाई के लिये निर्देश दिया गया। टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी चंद्र भानु, पी . के. वर्मा, जय प्रकाश, आर. एन. वर्मा तथा नीरज कुमार चौधरी सम्मिलित रहे।

नेपाल बॉडर अलीगढ़वा कस्बे में प्रशासन और पुलिस व एसएसबी टीम ने की छापेमारी, तीन दुकानें सील

सिद्धार्थनगर। कपिलवस्तु कोतवाली क्षेत्र के अलीगढ़वा कस्बे में बुधवार को नायब तहसीलदार सदर विजय श्रीवास्तव ने पुलिस और एसएसबी जवानों की मौजूदगी में तीन दुकानें सील कर दी गई। भारत नेपाल सीमा के नो मेंस लैंड से सटे अलीगढ़वा में स्थित दुकानों पर तस्करी के सामान स्टोर करने की सूचना पर छापेमारी कर कार्यवाही की गई। नायब तहसीलदार विजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पांच दुकानें संदिग्ध रही जिसमे से दो दुकान मालिक सामने आए और जांच के बाद उन्हें छोड़ दिया गए। लेकिन तीन दुकान के लोग फरार हो गए और नहीं पहुंचे। एक दुकान का मालिक अब्दुल कलाम पुत्र रऊफ निवासी मुडीला के रूप में हुई,शेष दो दुकानदार का नाम मालूम नहीं हो सका टीम काफी देर तक मौके पर दुकान मालिकों का इंतजार करती रहीं लेकिन, दुकानदार मौके पर नहींआए। जिससे दुकानें सील कर दी गई। इस दौरान कोतवाल यशवंत कुमार सिंह, एसएसबी इन्स्पेक्टर पंकज कुमार, सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

राताबाड़ी में राहत सामग्री वितरण को लेकर कांग्रेस के झूठे आरोपों का खंडन

राताबाड़ी जिपी के भाजपा कार्यकर्ताओं और पंचायत प्रतिनिधियों का

स्वतंत्र प्रभात

श्रीभूमि- श्रीभूमि जिले के राताबाड़ी जीपी के बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री स्वयं रामकृष्णनगर सर्कल अधिकारी सौविक दत्त सहित उनकी टीम ने वितरण किया, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने राहत सामग्री वितरण को लेकर धांधली का आरोप लगाया गया। गत 3 जून (मंगलवार) की शाम को राताबाड़ी जीपी की 5 नंबर सदस्य वाहिदा परवीन के घर पर एक संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें उस जीपी के अन्य छह समूह के सदस्य और उनके प्रतिनिधियों ने राहत सामग्री वितरण को लेकर धांधली का आरोप खारिज करते हुए कांग्रेस नेता हेलाल अहमद खान के झूठे आरोप का खंडन किया। उन्होंने कहा कि राताबाड़ी जीपी से सबसे ज्यादा वोट कांग्रेस के पक्ष में गए बावजूद कांग्रेस नेता इस कठिन परिस्थिति में बाढ़ प्रभावितों के साथ रहने के बजाय उल्टे निराधार आरोप उठा रहे हैं। राहत वितरण के संबंध में उन्होंने कहा कि गत 2 जून (सोमवार) को रामकृष्णनगर सर्कल कार्यालय से रात लगभग नौ बजे राताबाड़ी जीपी के कुछ समूह के सदस्य और बीजेपी के स्थानीय नेता राहत सामग्री लेकर गए थे। अगले दिन सुबह उन सभी राहत सामग्री को रामकृष्णनगर सर्कल ऑफिसर और उनकी टीम की सहायता से सुंदर तरीके से बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच वितरित किया गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि रामकृष्ण नगर विधायक विजय मालाकार और अनिपुर के जिला परिषद सदस्य के प्रतिनिधि बिलाल उद्दीन के प्रयासों से जल्दी ही बाढ़ प्रभावितों के बीच राहत सामग्री वितरित करना संभव हो सका। इससे पहले कभी इतनी अच्छी तरह से बाढ़ पीड़ितों के बीच इस तरह की राहत सामग्री वितरण संभव नहीं हुआ था। जिस कारण उन्होंने सर्कल ऑफिसर सौविक दत्त और उनकी टीम तथा विधायक विजय मालाकार का धन्यवाद किया। वे और भी कहते हैं कि राहत वितरण में किसी तरह की धांधली नहीं है, यह सब झूठे और आधारहीन आरोप हैं। पत्रकार सम्मेलन में वार्ड सदस्य इफ्तिखार हुसैन तालुकदार, अली अहमद, सदस्यों के प्रतिनिधि अब्दुल मालिक, मही उद्दीन, कबीर अहमद, साम्सुल हक, खयेर उद्दीन बूथ अध्यक्ष सलिमुल हक, मनी एनामुल, जुबैर अहमद, इमरान हुसैन, मिराज अहमद, रायहान उद्दीन, आकाश राय, अब्दुल कायुम, राजदीप नाथ, अबुल खाएर और सब्बीर अहमद मौजूद थे।

नगर पालिका की अनदेखी से आम रास्ता जाम जनता को हो रही परेशानी

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल धनपुरी- नगर पालिका परिषद धनपुरी क्षेत्र वार्ड नंबर 21 पर्ल पैलेस के पीछे धनपुरी रामजी सोनी के घर से लेकर बृजेश दहिया जी के घर के आगे तक रास्ते में अक्सर घर में हो रहे निर्माण कार्य के कारण आवागमन वाले रास्ते में रेत गिट्टी डालकर आम रास्ते को बंद कर दिया जाता है। जिससे आसपास के लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है इस संबंध में जब निर्माण कर रहे व्यक्ति से बात की जाती है , तो उनका कहना है कि मैं मटेरियल कहां गिरवाऊं यही गिरेगा शुरू से यहीं पर ही गिरते आया है । और वह मटेरियल 2 से 3 दिन तक पूरे रास्ते को जाम किया रहता है। दोनों तरफ से आने जाने का रास्ता बंद हो जाता है। आम नागरिक या आसपास के लोग कुछ कहते हैं तो आपस में झगड़े की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जिसकी वजह से माहौल बिगड़ता है। अगर इस व्यवस्था को नगर पालिका परिषद धनपुरी सक्रिय हो जाए तो शायद यह रास्ते में घरेलू निर्माण मटेरियल की परेशानी का समाधान निकल सकता है। लेकिन नगर पालिका की उदासीनता के कारण आम जनता को परेशानी झेलना पड़ रहा है। अगर इसी तरह रास्ता बंद होता रहा एक दिन यह झगड़ा का बड़ा रूप ले सकता है। जब किसी परिवार के व्यक्ति की तबीयत ज्यादा खराब हो और वह वाहन उसी रास्ते में घुस जाए और फिर वापस करना मुश्किल पड़ जाए तब कोई बड़ी घटना घट सकती है। सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार

नगर पालिका धनपुरी के संबंधित अधिकारी से शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती है। नगर पालिका परिषद से जनता अपेक्षा करती है कि इस विकट समस्या का समाधान संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि के द्वारा अति शीघ्र की जाएगी।

देवरहा बाबा घाट के समीप मिला अज्ञात शव

मथुरा। वृंदावन कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत देवराहा बाबा घाट के समीप जंगल में अज्ञात शव मिला है। शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। समाचार लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की पहचान करने का प्रयास किया। सोशल मीडिया का भी सहारा लिया जा रहा है। फिलहाल पुलिस शव की शिनाख्त करने में जुट गई है। जानकारी देते हुए एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि देवराहा बाबा घाट के जंगल में एमवीडीए की साइट के पास अज्ञात शव की सूचना मिली थी जिसको पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है पुलिस जांच में जुट गई है।

एमसीडी नजफगढ़ ज़ोन के नवनियुक्त जनप्रतिनिधियों का हुआ सम्मान

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम, नजफगढ़ ज़ोन कार्यालय में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में श्रीमती सविता पवन शर्मा को नजफगढ़ ज़ोन की चेयरपर्सन तथा श्री देवेंद्र उर्फ बांके पहलवान को डिप्टी चेयरमैन पद की शपथ ग्रहण करने के उपलक्ष्य में उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।इस अवसर पर फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर फोरम के चेयरमैन एवं राष्ट्रीय युवा चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणबीर सिंह सोलंकी ने दिल्ली देहात की जनता, क्षेत्रीय आरडब्ल्यूए एवं अपनी संस्था की ओर से दोनों जनप्रतिनिधियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।सोलंकी ने शपथग्रहण समारोह में दोनों नव-नियुक्त पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने आग्रह किया कि नजफगढ़ ज़ोन सहित सम्पूर्ण दक्षिणी- पश्चिमी दिल्ली क्षेत्र में स्वच्छता, जल आपूर्ति, बिजली एवं सीवर जैसी जनसरोकार की समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु प्रभावी कदम उठाए जाएं। साथ ही उन्होंने क्षेत्र के सौंदर्यीकरण हेतु भी सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की, जिससे आम नागरिक एक बेहतर एवं सुखद जीवन व्यतीत कर सकें।अंत में सोलंकी ने दोनों जनप्रतिनिधियों के उज्ज्वल भविष्य और कार्यकाल की सफलता के लिए ईश्वर से मंगलकामना की।

कोरिडोर बनने पर ताज़ महल से चार गुना ज्यादा लोग कर सकेंगे दर्शन

● 10 हजार लोगों की रह सकेगी एक साथ मौजूदगी,

औसतन प्रतिदिन 1.6 लाख भक्त कर सकेंगे दर्शन

स्वतंत्र प्रभात

प्रस्तावित ठाकुर बांकेबिहारी कॉरिडोर।

मथुरा। वृंदावन में कोरिडोर के अस्तित्व में आने के बाद प्रतिदिन 1.6 लाख लोग श्रीबाँके बिहारी जी के दर्शन कर सकेंगे। यह संख्या ताज़ महल देखने वालों से भी चार गुना अधिक होगी। वर्तमान में 15 से 20 हजार औसतन श्रद्धालु श्री बांके बिहारी जी के दर्शन करते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने वृंदावन में श्री बांके बिहारी जी के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधार्थ बिहारी जी कॉरिडोर बनाये जाने का निर्णय लिया है। इसके लिए बजट का भी प्रावधान कर दिया है। कॉरिडोर के निर्णय को अमलीजामा पहनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा मंदिर न्यास का भी गठन किया गया है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि वृंदावन में बिहारी जी कॉरिडोर बनने के बाद श्री राधा कृष्ण के भक्तों के साथ स्थानीय लोगों की अनेक समस्याओं भी स्वतः निराकरण हो जाएगा। बच्चे और महिलाओं के साथ बुजुर्ग दर्शनार्थियों को दर्शन के लिए विशेष सुविधा मिलेगी।

चिकित्सा और सुरक्षा भी बिहारीजी के भक्तों को कोरिडोर में प्रदान की जाएंगी। उन्होंने बताया कि बिहारी जी कोरिडोर में एक साथ 10 हजार लोगों की मौजूदगी हो सकेगी, जिससे वृंदावन की गलियों में भीड़ का दबाव कम हो जाएगा। दर्शन की प्रतीक्षा वाले तीन हजार लोगों के बैठने के लिए ब्रेंच भी होंगी। सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि प्रस्तावित कोरिडोर का डिजायन इस प्रकार तैयार किया गया है कि सामान्य दिनों में 15 हजार लोग प्रति घंटे और 1.2 से 1.6 लाख लोग प्रतिदिन दर्शन कर सकेंगे। यह संख्या ताज़ महल प्रतिदिन देखने वालों से चार गुना अधिक है। वर्तमान में भीड़ का दबाव अधिक होने के कारण मंदिर के आसपास व्यवसायिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। अधिक भीड़ में लोग इन दुकानों से कुछ भी खरीद नहीं पाते हैं, लेकिन कोरिडोर बनने के बाद भीड़ का दबाव गलियों में कम हो जाएगा। फिर लोग इन्हीं दुकानों से खानपान सहित अन्य खरीदारी करते हुए ब्रज दर्शन का लुफ्त उठाएंगे। वृंदावन वासियों को भी भीड़ के चलते होने वाली असुविधाओं से निजात मिल जाएगी। दर्शन के लिए लाइन में लगे लोग फिर सड़क पर नहीं कोरिडोर की आरामदायक व्यवस्था में होंगे। सड़कों पर स्थानीय लोगों की आवाजाही आसान हो जाएगी। उन्होंने बताया कि कोरिडोर में प्रभावित सभी दुकानदारों को दुकान दी जाएंगी।

सैनिक पिता के हिस्ट्रीशीटर बेटे हो गये अपनों के ही खून के प्यासे

● बडे भाई ने छोटे भाई को उतारा मौत के घाट

2017 में छोटे भाई ने अपनी भाभी की कर दी थी हत्या

स्वतंत्र प्रभात

पुलिस हिरासत में हत्यारोपी।

मथुरा। सैनिक पिता की हिस्ट्रीशीटर संतान एक दूसरे के खून की प्यासी हो गईं। छोटे भाई ने अपनी भाभी की 2017 में हत्या कर दी थी। मंगलवार को बडे भाई ने छोटे भाई को दिन दहाड़े गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इससे पहले छोटे भाई की पत्नी ने अपने जेठ पर बलात्कार का अभियोग भी पंजीकृत कराया था। दोनों ही भाई थाना फरह के हिस्ट्रीशीटर हैं। पिता की मौत के बाद पेंशन मां को मिलने लगी तो दोनों ही हिस्ट्रीशीटर भाई पेंशन के लिए लडने लगे। इसके लिए मंगलवार को एक भाई ने दूसरे को मौत के घाट उतार दिया। हत्यारोपी के खिलाफ करीब एक दर्जन आपराधिक मामले पहले से ही दर्ज थे। थाना फरह पुलिस ने हत्या कर सनसनी फैलाने वाले हिस्ट्रीशीटर को अवैध शस्त्र सहित गिरफ्तार किया है। मंगलवार को दोपहर के करीब ढाई बजे हुई हत्या की घटना के सम्बन्ध में मृतक की पत्नी की लिखित तहरीर के आधार पर प्रेम सिंह पुत्र कल्यान सिंह निवासी नगला गंगाधर, भदाया थाना फरह के नामजद एफआईआर दर्ज की गई थी। दिन दहाडे हुए हत्याकांड में एसएसपी ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग अलग टीमों का गठित किया था। गठित टीमों द्वारा घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले। अभियुक्त प्रेम सिंह को चौकी क्षेत्र रैपुरा जाट की कल्पतरु के खाली भवन के पास बहद ग्राम शहजादपुर के पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा, चार कारतूस जिन्दा व दो खोखा कारतूस व घटना में प्रयुक्त कार यूपी 85 एए 1166 सहित गिरफ्तार कर थाना स्थानीय से विधिक कार्यवाही की गई। मंगलवार को ग्राम रैपुरा जाट में केनरा बैंक के पास हिस्ट्रीशीटर प्रेम ने अपने सगे भाई ओमवीर सिंह को गोली मार दी थी। दोनो भाईयों के पिता कल्यान सिंह भारतीय सेना में कार्यरत थे। जिनकी मृत्यु के उपरान्त उनकी पेंशन उनकी पत्नी को मिल रही थी जिसको लेकर दोनो भाईयों प्रेम सिंह व ओमवीर आपस में लड़ते झगडे रहते थे। इससे पूर्व मृतक ओमवीर सिंह द्वारा अभियुक्त प्रेम सिंह की पत्नी की फरवरी 2017 में गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। मृतक ओमवीर सिंह की पत्नी ने प्रेम सिंह के विरुद्ध दुष्कर्म का अभियोग पंजीकृत कराया था तभी से दोनो भाईयों के मध्य रंजिश चल रही थी। प्रेम सिंह व मृतक ओमवीर सिंह दोनों ही फरह थाना के हिस्ट्रीशीटर हैं। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पाण्डेय थाना फरह, निरीक्षक अपराध यशपाल सिंह, एसआई तेजेन्द्र सिंह चौकी प्रभारी रैपुरा जाट, एसआई अजय सिंह मलिक चौकी प्रभारी आदि थे।

स्नान पर्व: मथुरा के घाटों पर दिखा जनसहयोग का अनूठा संगम

● नगर निगम का विशेष सफाई अभियान बना प्रेरणा का स्रोत

स्वतंत्र प्रभात

यमुना के घाटों से प्लास्टिक कचरे को साफ करते जिलाधिकारी सीपी सिंह एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश एवं अन्य।

मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा पर्व के दृष्टिगत मथुरा नगर के प्रसिद्ध बंगाली घाट से लेकर विश्राम घाट तक एक अनूठा व प्रेरणादायक स्वच्छता श्रमदान अभियान चलाया गया। इस अभियान की अगुवाई जिलाधिकारी सीपी सिंह एवं नगर आयुक्त जग प्रवेश ने की। अधिकारियों ने खुद झाड़ू थामी, घाटों की सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश। अधिकारियों ने घाटों का निरीक्षण किया। डीएम, नगर आयुक्त को झाड़ू लगाते देख घाटों पर उपस्थित श्रद्धालुओं, स्थानीय निवासियों व दुकानदारों में उत्साह की लहर दौड़ गई, और सभी ने मिलकर घाटों की सफाई में भागीदारी निभाई। नगर निगम की आईईसी टीम ने स्वच्छ घाट सुंदर घाट, 'यमुना मैया को स्वच्छ रखें जैसे स्लोगन के साथ घाटों पर जनजागरूकता अभियान चलाया। सिंगल यूज़ व प्रतिबंधित पॉलीथिन के प्रयोग पर रोक, यमुना नदी में पूजा सामग्री व कचरा न डालने जैसे महत्वपूर्ण संदेशों के माध्यम से जनता को जागरूक किया गया। जिलाधिकारी ने संदेश दिया कि पर्यावरण दिवस सिर्फ एक दिन नहीं, एक जीवनशैली है। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण दिवस साल में सिर्फ एक दिन मनाने का नहीं, पूरे साल जीने का तरीका होना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से आग्रह किया कि वे अधिकाधिक वृक्ष लगाएं, और उनसे मातृभाव से देखभाल करें। नगर आयुक्त ने अपील की कि नगर आयुक्त द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई कि गंगा दशहरा पर्व के अवसर पर घाटों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें, कचरा निर्धारित स्थलों पर ही डालें और स्वच्छता को एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में निभाएं, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और दिव्य वातावरण प्राप्त हो। इस अवसर पर नगर आयुक्त ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई, जिसमें प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करने, अधिक से अधिक रीसायकल उत्पादों को अपनाने तथा स्वच्छ, हरित और सतत भविष्य के निर्माण हेतु संकल्प दिलाया गया। स्वच्छता श्रमदान अभियान के दौरान क्षेत्रीय पार्षद संतोष पाठक, बालकिशन चतुर्वेदी, रामकिशन पाठक, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल बाबू गर्ग, सफाई निरीक्षक श्री राजकुमार लवानिया, नगर निगम की सहयोगी संस्था रिसिटी नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड , नेचर ग्रीन, अर्नस्ट एंड यंग कंपनी नगर निगम के कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा: यमुना में डुबकी लगाएंगे हजारों श्रद्धालु

● नगर निगम ने बडे पैमाने पर की हैं व्यवस्था, लगातार की जा रही निगरानी

स्वतंत्र प्रभात

नगर आयुक्त जग प्रवेश यमुना घाटों पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए।

मथुरा। गंगा दशहरा पर हजारों श्रद्धालु यमुना में डुबकी लगाएंगे। नगर निगम की ओर से बडे पैमाने पर इसके लिए व्यवस्थाएं की गई हैं। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने गंगा दशहरा पर्व की तैयारियों के संबंध में नगर निगम अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बंगाली घाट, राजा घाट, स्वामी घाट, विश्राम घाट, असकुंडा घाट, ध्रुव घाट, दाऊजी घाट, कंस किला तक तथा यमुना पल्ली पार कच्चे घाटोंकृरेलवे पुल से लेकर हंसिया रानी तककृस्टीमर के माध्यम से नगर निगम द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। नगर आयुक्त ने यमुना पार कच्चे घाटों पर पहुँचकर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम की संख्या बढ़ाने के निर्देश मुख्य अभियंता को दिए। साथ ही, सभी घाटों एवं उनसे जुड़े मार्गों पर 24 घंटे उच्च स्तरीय सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा निरंतर चूना छिड़काव करवाने हेतु नगर स्वास्थ्य अधिकारी कदो निर्देशित किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को एक स्वच्छ और सुखद वातावरण प्राप्त हो सके। गंगा दशहरा पर्व के लिए नगर निगम द्वारा सभी घाटों पर सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेडिंग की गई है। श्रद्धालुओं के लिए लाइफ जैकेट व अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गये हैं। गोताखोरों की तैनाती की गई है।

गहरे जल वाले स्थलों पर चेतावनी संकेतक व बैनर लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं को गहरे जल में न जाने के लिए नियमित अनाउंसमेंट व्यवस्था की गई है। महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए पूर्णतः ढके पृथक चेंजिंग रूम स्थापित किए गये हैं। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर गंगा दशहरा पर्व की तैयारियों को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण कराएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा पर्व शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षदगण संतोष पाठक, बालकिशन चतुर्वेदी, रामकिशन पाठक, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल बाबू गर्ग, सफाई निरीक्षक सौरभ अग्रवाल, सफाई निरीक्षक राजकुमार लवानिया एवं आदि नगर निगम के कर्मचारी उपस्थित रहे।

वन्य जीवों पर प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों के प्रति किया आगाह

● वन्यजीवों के प्रति सहानुभूति के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण पर नियंत्रण की अपील

स्वतंत्र प्रभात

प्लास्टिक के कचरे को एकत्रित करते संस्था के स्वंसेवक।

मथुरा। पूरी दुनिया पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मना रही है, पर्यावरण के संरक्षण में सबसे ज्यादा ज़रूरी पारिस्थितिक खतरों में से एक 'प्लास्टिक प्रदूषण' पर इस साल ध्यान केंद्रित किया गया है। इस वर्ष की थीम 'प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें' को ध्यान में रखते हुए, संरक्षण संस्था वाइल्डलाइफ़ एसओएस कई मोर्चों पर इस चुनौती से निपट रहा है; सक्रिय बचाव, शिक्षा और युवाओं को स्वेच्छा से, प्लास्टिक मुक्त भविष्य के लिए पैरोकार बनने के लिए सशक्त बनाने के माध्यम से। संस्था की रैपिड रिस्पांस टीमों ने कई ऐसे संरक्षण अभियानों में भाग लिया है, जो सीधे प्लास्टिक कचरे के खतरों को दर्शाते हैं। एक मामले में सिवेट कैट को आगरा के एयरफोर्स स्टेशन से बचाया गया था, जब उसका सिर एक खाली प्लास्टिक जार में फंस गया था, जिससे जानवर सांस लेने या चलने में असमर्थ हो गया था। दूसरे मामले में, मॉनिटर लिज़र्ड का मुंह प्लास्टिक के डिब्बे में फस गया था, जिसके कारण वह हिलने डुलने में असमर्थ थी और उसे चोट लगने का गंभीर खतरा था। वाइल्डलाइफ एसओएस के सह संस्थापक और सीईओ, कार्तिक सत्यनारायण ने कहा कि ये मामले अलग थलग नहीं हैं।

ये एक बड़े संकट के लक्षण हैं, जिसे हम अनदेखा नहीं कर सकते। जंगली जानवरों को कचरे से भरे परिदृश्यों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है और प्लास्टिक उन सबसे घातक पदार्थों में से एक है, जिनका वे सामना करते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस की अपनी पहल के तहत, वाइल्डलाइफ एसओएस अपने बचाव कार्यों और शिक्षा के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण को दूर करने के लिए एक रक्षक दृष्टिकोण अपना रहा है। भारत भर में नियोजित कई जागरूकता गतिविधियों में, आगरा में सूर सरोवर पक्षी अभयारण्य में कॉलेज के छात्रों के साथ एक स्वच्छता अभियान, एक नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता, मथुरा में हाथी संरक्षण और देखभाल केंद्र (ईसीसीसी) में बच्चों के लिए आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता और बेंगलुरु में सरला बिड़ला अकादमी में एक जागरूकता सत्र कुछ प्रमुख आकर्षण हैं। इन पहलों का उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाले खतरे के बारे में जागरूकता बढ़ाना और युवाओं के नेतृत्व में सार्थक कार्रवाई को प्रेरित करना है।

सिंचाई विभाग में पदों की कटौती से क्षुब्ध हुए कर्मचारी

● जिला मुख्यालय पर दिया कर्मचारियों ने धरना

मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा

कलेक्ट्रेट स्थित वट वृक्ष के नीचे धरना देते सिंचाई विभाग के कर्मचारी।

मथुरा। सिंचाई विभाग के अतिमहत्वपूर्ण पद उपराजस्व अधिकारी, जिलेदार मुंशी, हेड मुंशी, पदों की संख्या में कटौती तथा नलकूप चालक, सीचपाल के साथ साथ मिस्त्री कम ड्राइवर, व अन्य आवश्यक पदों को समाप्त किये जाने के शासनादेश 14मई 2025 से सिंचाई विभाग के कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। इसके विरोध में आज सिंचाई विभाग के समस्त मान्यता प्राप्त संगठनों ने सिंचाई विभाग संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति के तत्वावधान में आज जिला मुख्यालय पर एसएसपी निवास के निकट धरना प्रदर्शन किया। उसके बाद सिंचाई कर्मचारियों ने डिप्टी कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम धरना स्थल पर ज्ञापन दिया। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि उक्त पदों को अनुपयोगी मानने से विभाग में नहरों, लघुडाल नहरों एवं राजकीय नलकूपों के संचालन, रख-रखाव एवं विभागीय परिसंपत्तियों की सुरक्षा में भारी कठिनाई होगी। यह कार्मिक ग्राम स्तर पर रहकर किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने में महती भूमिका का निर्वहन करते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नाम ज्ञापन देकर उक्त पदों पर युवाओं भर्ती की जाए। इस अवसर पर सिंचाई कर्मचारी संघर्ष समिति के संयोजक नेत्रापल सिंह, सह संयोजक हरीश कुमार शर्मा, गंगा प्रसाद, भानुप्रताप , सौरभ कुमार, सकील अहमद, अवर अभियंता यूनियन के जिलाध्यक्ष पवन माधव उपाध्याय, जिला मंत्री पंचम सिंह, संयुक्त राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष पीडी गौतम, प्रांतीय मंत्री जल सिंह मीना, जिला लिपिक संघ के मंत्री मुकुल शर्मा आदि उपस्थित थे।